RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 148 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 22-12-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'एक देश, एक कारोबारी' का एजेंडा चला रही है भाजपा : अखिलेश

6 हमारी सामाजिक होड़ और बच्चों का स्वास्थ्य

7 उर्वशी ढोलकिया के नाम 'आईटीए माइलस्टोन अवॉर्ड'

फर्स्ट टेक

राष्ट्रपति ने 'शांति' विधेयक को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद के शीतकालीन सत्र में पारित किये गए 'भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक' को मंजूरी दे दी। सरकार द्वारा जारी एक अधिसूचना में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने शनिवार को शांति विधेयक को मंजूरी दी। यह विधेयक नागरिक परमाणु क्षेत्र से संबंधित सभी कानूनों को समाहित करता है और साथ ही इसे निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए भी खोलता है। शांति विधेयक ने परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु क्षति के लिए नागरिक दायित्व अधिनियम, 2010 को निरस्त कर दिया। यह निजी कंपनियों और संयुक्त उद्यमों को सरकार से लाइसेंस प्राप्त करके परमाणु ऊर्जा संयंत्रों का निर्माण, स्वामित्व, संचालन करने में सक्षम बनाता है।

इजराइल ने कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 19 नई यहूदी बस्तियों को मंजूरी दी

तेल अवीव/एपी। इजराइल के धुर दक्षिणपंथी वित्त मंत्री ने बताया कि उनके देश के मंत्रिमंडल ने रविवार को कब्जे वाले वेस्ट बैंक में 19 नई बस्तियों की स्थापना के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वित्त मंत्री बेत्जालेल स्मोट्रिच के अनुसार, इन बस्तियों में दो ऐसी बस्तियां भी शामिल हैं जिन्हें 2005 की सैन्य वापसी योजना के दौरान खाली कराया गया था। स्मोट्रिच वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं। स्मोट्रिच ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि इससे पिछले दो वर्षों में निर्मित नई बस्तियों की कुल संख्या 69 हो गई है।

भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को आठ विकेट से हराया

विशाखापत्तनम/भाषा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने जेमिमा रोड्रिग्स (नाबाद 69 रन) की आकर्षक अर्धशतकीय पारी से रविवार को यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका को 32 गेंद रहते आठ विकेट से हराकर पांच मैच की शृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। भारतीय गेंदबाजों ने ओस के बावजूद श्रीलंका को छह विकेट पर 121 रन का स्कोर ही बनाने दिया। ओस के उम्मीद से पहले असर दिखाने के बावजूद मेहमान टीम की बल्लेबाज ढीली गेंदों का पूरा फायदा नहीं उठा सकीं। फिर भारतीय टीम ने यह लक्ष्य 14.4 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर हासिल कर लिया जिसमें जेमिमा ने 44 गेंद की नाबाद पारी में 10 चौके लगाए। उनके अलावा सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 25 रन का योगदान दिया।

22-12-2025 सूर्यास्त 5:59 बजे | 23-12-2025 सूर्योदय 6:37 बजे

BSE	NSE
84,929.36	25,966.40
(+447.55)	(+150.85)

सोना	चांदी
13,850 रु.	207,343 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

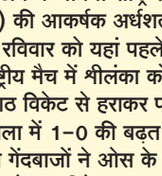

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बदलाव का वक्त

वक्त है बदलाव का,
बदलें सभी व्यवहार को।
बदल डाले तंत्र में,
विस्तीर्ण भ्रष्टाचार को।
हो सके तो रोक दें,
अपराध की भरमार को।
लोग सच्चे हों सियासी,
चुने उन किरदार को।।

राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है कांग्रेस : मोदी

अवैध प्रवासियों को असम में बसाना चाहती है कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नामरूप/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ''राष्ट्रविरोधी'' गतिविधियों में लिप्त है और असम में अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को बसाने में मदद कर रही है।

असम में डिब्रूगढ़ जिले के नामरूप में 10,601 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले उर्वरक संयंत्र का उद्घाटन करने के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए मोदी ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने यहां पुराने संयंत्र को आधुनिक बनाने और किसानों की समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने के लिए कोई प्रयास नहीं किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''कांग्रेस राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में लिप्त है। वह अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को असम में बसाने की कोशिश कर रही है। वह केवल अपना वोटबैंक मजबूत करना चाहती है। जनता की उसे कोई परवाह नहीं है।'' उन्होंने यह भी कहा कि विपक्षी पार्टी का असमिया लोगों की पहचान, अस्तित्व और गौरव से कोई लेना-देना नहीं है, जिसे भाजपा ने बचाने की कोशिश की है।

मोदी ने कहा, कांग्रेस मतदाता सूची में संशोधन का विरोध कर रही है क्योंकि वह केवल सत्ता हथियाना चाहती है... वह मेरे अच्छे कार्यों का विरोध करती है... भाजपा सरकार हमेशा असमिया लोगों की पहचान, भूमि, गौरव और अस्तित्व की रक्षा के लिए काम करती रहेगी।

असम दौरे के दूसरे और अंतिम दिन रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने इस देश को इस कदर नुकसान पहुंचाया है कि पिछले 11 वर्षों से उन गलतियों को ''सुधारने'' के बावजूद, बहुत सा काम अब भी बाकी है।

मोदी ने कहा, जब हमारी सरकार ने डॉ. भूपेन हजारिका को भारत रत्न से सम्मानित किया, तो कांग्रेस ने खुले तौर पर इस निर्णय का विरोध किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा था कि 'मोदी नाचने-गाने वालों को भारत रत्न दे रहा है' । यह भूपेन दा और असम के लोगों का अपमान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार का उद्देश्य असम को उतना शक्तिशाली बनाना है जितना कि वह अहोम साम्राज्य के समय हुआ करता था।

'जी राम जी' कानून को रद्द कराना हमारी पार्टी का लक्ष्य है : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के नए 'विकसित भारत - जी राम जी' कानून को रद्द करवाना उनकी पार्टी का लक्ष्य है। गांधीजी का नाम नई ग्रामीण रोजगार योजना से हटाए जाने पर स्टालिन ने भाजपा नीत केंद्र सरकार को ''जनविरोधी'' करार दिया। यहां नहर सुधार कार्यों सहित नई पहलों की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां उनकी सरकार जन-केंद्रित कार्यों से जनता की आकांक्षाओं को पूरा कर रही है, वहीं केंद्र सरकार इसके विपरीत ''जनविरोधी शासन'' चला रही है।

द्रमुक अध्यक्ष ने दावा किया कि भाजपा सरकार ने अब जानबूझकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को पंगु बना दिया है, जो ग्रामीण भारत की जीवनरेखा थी और लाखों गरीबों को गरीबी से उबार चुकी थी।

स्टालिन ने कहा, ''उन्होंने महात्मा गांधी का नाम हटा दिया है, जो विश्व स्तर पर भारत की पहचान हैं, और उनकी जगह एक ऐसा हिंदी नाम रख दिया है जिसे काफी लोग नहीं समझते हैं।'' मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''भाजपा को धर्मनिरपेक्षता और एकता जैसे शब्द नापसंद हैं। यही कारण है कि वे गांधी जी को भी नापसंद करते हैं, जिन्होंने अपने पूरे जीवन में इन सिद्धांतों पर जोर दिया।''

माघी उत्सव

कर्नाटक के मैसूरु में रविवार, 21 दिसंबर 2025 को मैसूरु पैलेस परिसर में आयोजित शीतकालीन फूल प्रदर्शनी 'माघी उत्सव' के दौरान मौजूद लोग।

अशांति और बांग्लादेश से घुसपैठ का पश्चिम बंगाल पर असर पड़ रहा : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भगवत ने रविवार को कहा कि अशांति और बांग्लादेश से घुसपैठ का पश्चिम बंगाल पर असर पड़ रहा है और उन्होंने जोर देकर कहा कि इन मुद्दों को केंद्र सरकार को ही उठाना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के राज्य में 'बढ़ते इस्लामी कट्टरवाद' से संबंधित प्रश्न के उत्तर में भगवत ने कहा, ''यह सरकार को तय करना है कि बांग्लादेश से भारत में किसे आने दिया जाए। इस पर नियंत्रण होना चाहिए कि किसे आने की अनुमति दी जाएगी।''

वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। पड़ोसी देश में हिंदुओं को अल्पसंख्यक बताते हुए उन्होंने कहा, ''उन्हें खुद की अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एकजुट रहना होगा।''

- अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं, तो राज्य की स्थिति बदलने में समय नहीं लगेगा।
- आरएसएस का ध्यान सामाजिक परिवर्तन पर है, न कि राजनीतिक परिवर्तन पर।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, ''हम लोगों समेत दुनिया भर के सभी हिंदुओं को उनकी मदद करनी होगी।'' उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को लेकर भारत सरकार को कुछ करना होगा। भागवत ने कहा, ''हो सकता है कि वे पहले से ही कुछ कर रहे हों, लेकिन उनका खुलासा नहीं किया जा सकता।'' पश्चिम बंगाल के बारे में उन्होंने कहा, ''अगर सभी हिंदू एकजुट हो जाएं, तो राज्य की स्थिति बदलने में समय नहीं लगेगा।'' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आरएसएस का ध्यान सामाजिक परिवर्तन पर है, न कि राजनीतिक परिवर्तन पर।

धार्मिक विवादों पर टिप्पणी करते हुए भागवत ने अयोध्या मुद्दे का जिक्र करते हुए कहा, ''अदालतों ने लंबी सुनवाई के बाद राम मंदिर और बाबरी मस्जिद विवाद का फैसला सुना दिया है, जिससे मामला समाप्त हो गया है। अब बाबरी मस्जिद का दोबारा निर्माण करने की कोशिश वोटों के लिए संघर्ष को फिर से शुरू करने की एक राजनीतिक साजिश है।''

वे मुर्शिदाबाद जिले के बेलडांगा में मस्जिद बनाने की टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर की घोषणा पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

भागवत ने कहा, ''यह न तो मुसलमानों के हित में है और न ही हिंदुओं के हित में। ऐसा नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन धर्म कायम रहता है। इसलिए किसी भी सरकार को किसी भी धार्मिक इमारत के निर्माण में शामिल नहीं होना चाहिए।

'विकसित भारत जी राम जी' योजना मनरेगा से एक कदम आगे है : शिवराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को आरोप लगाया कि 'विकसित भारत जी राम जी' विधेयक के बारे में गलत सूचना फैलाई जा रही है जबकि यह महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) से एक कदम आगे की योजना है। एक पोस्ट में मंत्री ने कहा कि ग्रामीण रोजगार के लिए पर्याप्त धनराशि सुनिश्चित करने के लिए 'विकसित भारत गारंटी रोजगार एवं आजीविका मिशन-ग्रामीण' (वीबी-जी राम जी) योजना के तहत 1,51,282 करोड़ रुपए से अधिक का आवंटन किया जाएगा।

चौहान ने कहा, ''देश को गुमराह करने की साजिश रची जा रही है और गलत सूचना फैलाई जा रही है, जबकि सच्चाई यह है कि वीबी-जी राम जी योजना मनरेगा से एक कदम आगे है।'' मंत्री की यह पोस्ट उसी दिन आई जब विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी मिली। चौहान ने घोषणा की कि नई योजना में पहले के 100 दिनों के बजाय 125 दिनों के काम की गारंटी दी गई है। इसके अलावा, बेरोजगारी भत्ते के प्रावधानों को मजबूत किया गया है और विलंबित मजदूरी भुगतान पर मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, इस योजना के लिए 1,51,282 करोड़ रुपए का बजट प्रस्तावित किया गया है, ताकि रोजगार सृजन के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध हो और गांवों का विकास किया जा सके।'' उन्होंने कहा, ''इसमें 125 दिनों के रोजगार की गारंटी देने के अलावा, यह सुनिश्चित करने का भी प्रावधान है कि कृषि के मौसम के दौरान छोटे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना ना करना पड़े।

विवाह समारोह

रविवार, 21 दिसंबर 2025 को सूरत में पीपी सवानी ग्रुप द्वारा 'कोयलड़ी' (लवली डॉटर) कार्यक्रम के तहत आयोजित सामूहिक विवाह समारोह में विभिन्न समुदायोंजिसमें मुस्लिम और ईसाई भी शामिल हैंकी 133 अनाथ बेटियों के विवाह के दौरान दूल्हा-दुल्हन।

215 किमी से अधिक की रेल यात्रा पर किराया बढ़ा

नई दरें 26 दिसंबर से प्रभावी होंगी

नई दिल्ली/भाषा। रेल मंत्रालय ने रविवार को घोषणा की कि 215 किलोमीटर से अधिक की यात्रा के लिए साधारण श्रेणी के टिकट में प्रति किलोमीटर एक पैसा और मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की गैर-वातानुकूलित श्रेणी व सभी ट्रेन की वातानुकूलित श्रेणियों में प्रति किलोमीटर दो पैसे की वृद्धि की जाएगी।

नई दरें 26 दिसंबर 2025 से प्रभावी होंगी। अधिकारियों ने कहा, उपनगरीय रेलगाड़ियों के मासिक सीजन टिकट और अन्य ट्रेन में 215 किलोमीटर तक की साधारण श्रेणी की यात्रा के किराए में कोई वृद्धि नहीं की गई है।

उन्होंने कहा कि किराए में इस बढ़ोतरी से रेलवे को 31 मार्च 2026 तक करीब 600 करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है।

रेल मंत्रालय के अनुसार, जुलाई 2025 में की गई किराया वृद्धि से अब तक लगभग 700 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

यूक्रेन को लेकर अमेरिकी शांति योजना पर बातचीत आगे बढ़ रही : रूस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मियामी/एपी। रूस के एक दूत ने कहा है कि यूक्रेन में लगभग चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका द्वारा प्रस्तावित शांति वार्ता फ्लोरिडा में ''रचनात्मक'' रूप से आगे बढ़ रही है। वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि संबंधित पक्ष वार्ता में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

यह बातचीत ट्रंप प्रशासन द्वारा महीनों से किये जा रहे शांति प्रयासों का हिस्सा है, जिनमें इस सप्ताह के आरंभ में बर्लिन में यूक्रेनी और यूरोपीय अधिकारियों के साथ बैठकें भी शामिल हैं।

रूसी सरकारी समाचार एजेंसी 'आरआईए नोवोस्ती' के अनुसार, रूसी दूत किरिल दिमित्रीव ने शनिवार को पत्रकारों से कहा, ''चर्चाएं रचनात्मक रूप से आगे बढ़ रही हैं। ये आज जारी हैं, और कल भी जारी रहेंगी।''

खबर के अनुसार, दिमित्रीव ने मियामी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर से मुलाकात की।

यूक्रेन के राष्ट्रपति ने रविवार को टेलीग्राम पर लिखा कि राजनयिक प्रयास ''काफी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और फ्लोरिडा में हमारी टीम अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के साथ काम कर रही है।''

इससे पहले, शुक्रवार को यूक्रेन के प्रमुख वार्ताकार ने कहा कि अमेरिका में उनका प्रतिनिधिमंडल अमेरिकी और यूरोपीय पक्षकारों के साथ अलग-अलग बैठकें पूरी कर चुका है।

ट्रंप ने युद्ध को समाप्त कराने के लिए व्यापक राजनयिक प्रयास शुरू किए हैं, लेकिन उनके प्रयासों को रूस और यूक्रेन की ओर से परस्पर विरोधी मांगों का सामना करना पड़ा है।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल में संकेत दिया कि वह यूक्रेन पर अपनी मांगों से डिगने वाले नहीं हैं, क्योंकि भारी नुकसान के बावजूद रूस की सेनाएं युद्ध के मैदान में क्रमिक रूप से आगे बढ़ रही हैं।

शुक्रवार को पुतिन ने विश्वास व्यक्त किया था कि यदि यूक्रेन शांति वार्ता में रूस की शर्तों को नहीं मानता है तो रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन अपने सैन्य लक्ष्यों को प्राप्त कर लेगा।

फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने रविवार को राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के साथ बातचीत करने की पुतिन की इच्छा का स्वागत किया और कहा कि वह 'आने वाले दिनों में' आगे की प्रक्रिया तय करेगा।

इससे पहले खबर आयी थी कि पुतिन परस्पर राजनीतिक इच्छा होने पर फ्रांसीसी राष्ट्रपति के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं।

मैक्रों के कार्यालय ने कहा है कि किसी भी बातचीत का उद्देश्य 'राष्ट्रपति जेलेंस्की और हमारे यूरोपीय भागीदारों के साथ पूरी पारदर्शिता के साथ यूक्रेन और यूरोप के लिए एक ठोस व स्थायी शांति में योगदान देना' होगा।

लोग विकास चाहते हैं, केवल आलोचना से काम नहीं चलेगा: चव्हाण

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अशोक चव्हाण ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों से पता चलता है कि लोग केवल विकास का समर्थन करते हैं और आलोचना को नकारते हैं।

चव्हाण ने पत्रकारों से कहा, जनता ने दिखा दिया कि वे रचनात्मक कार्य चाहते हैं, केवल आलोचना से काम नहीं चलेगा। उन्होंने हमारे (भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति को) पक्ष में मतदान किया क्योंकि राज्य और केंद्र सरकारें विकास सुनिश्चित करने के लिए पूरी लगन से काम कर रही हैं।

केंद्र ने अरावली पर्वतमाला की परिभाषा के जरिये खनन को बढ़ावा देने के आरोप को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

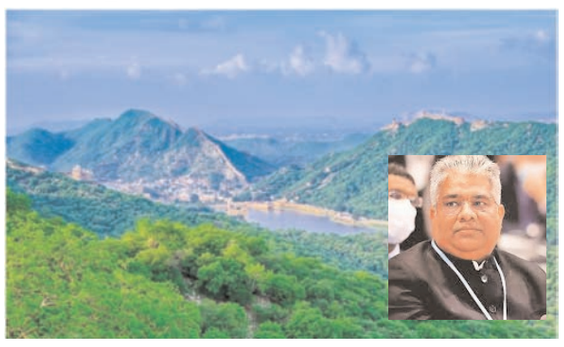

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने रविवार को उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें कहा गया था कि बड़े पैमाने पर खनन की अनुमति देने के लिए अरावली पर्वतमाला की परिभाषा में बदलाव किया गया है।

सरकार ने अरावली पर्वतीय क्षेत्र में नए खनन पट्टों पर उच्चतम न्यायालय द्वारा लगाए गए प्रतिबंध का हवाला देते हुए यह बात कही। इसमें कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुमोदित एक प्रारूप पर्वतीय प्रणाली की मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है और एक व्यापक प्रबंधन योजना को अंतिम रूप दिए जाने तक नए खनन पट्टों पर रोक लगाता है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सुंदरबन बाघ अभयारण्य में संवाददाताओं को बताया कि उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुमोदित परिभाषा से अरावली क्षेत्र का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा संरक्षित क्षेत्र के अंतर्गत आ जाएगा। सरकार ने '100 मीटर' के मापदंड को लेकर चल रहे विवाद के बीच जारी स्पष्टीकरण में कहा कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों पर अरावली पहाड़ियों और पर्वत श्रृंखला की परिभाषा को सभी राज्यों में मानकीकृत किया गया है ताकि अस्पष्टता को दूर किया जा सके और दुरुपयोग को रोका जा सके। विशेष रूप से वे प्रथाएं जिनके कारण पहाड़ियों के आधार के बेहद करीब खनन जारी रखना संभव हुआ। पर्यावरण मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय ने अरावली में अवैध खनन से संबंधित काफी समय से लंबित मामलों की सुनवाई करते हुए मई 2024 में एक 'समान परिभाषा' की सिफारिश करने के लिए एक समिति का गठन किया था। पर्यावरण मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में गठित इस समिति में राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और दिल्ली के प्रतिनिधियों के साथ-साथ तकनीकी निकायों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। समिति ने पाया कि केवल राजस्थान में ही एक औपचारिक रूप से स्थापित परिभाषा है, जिसका वह 2006 से पालन कर रहा है। इस परिभाषा के अनुसार, स्थानीय भू-भाग से 100 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाली भू-आकृतियों को पहाड़ियां माना जाता है और ऐसी पहाड़ियों को घेरने वाली सबसे निचली सीमा रेखा के भीतर खनन निषिद्ध है, चाहे उस रेखा के भीतर की भू-आकृतियों की ऊँचाई या ढलान कुछ भी हो। सूत्रों ने बताया कि चारों राज्य इस लंबे समय से चली आ रही राजस्थान की परिभाषा को अपनाने पर सहमत हो गए हैं, इसे वस्तुनिष्ठ और पारदर्शी बनाने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपायों को भी शामिल किया गया है।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए सात संस्थानों में प्रयोगशाला' स्थापित करेगा इन-स्पेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के संवर्धक भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) ने देशभर के सात शैक्षणिक संस्थानों में अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है।

'इन-स्पेस' के अनुसार, अंतरिक्ष प्रयोगशाला अपनी तरह की पहली पहल है, जिसका उद्देश्य भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं स्थापित करना है ताकि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रत्यक्ष अनुभव मिल सके। 'इन-स्पेस' ने भारत के चुनिंदा शैक्षणिक संस्थानों में अंतरिक्ष प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए प्रस्ताव आमंत्रण (आरएफपी) जारी किया है। देश के कई उच्च शिक्षण संस्थानों में पहले ही अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़े पाठ्यक्रम शुरू किए जा चुके हैं और ऐसी प्रयोगशालाएं छात्रों को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के साथ-साथ देश में उभर रहे निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार करने में मदद करेंगी। 'इन-स्पेस' के संवर्धन निदेशालय के निदेशक विनोद कुमार ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सार्थक सहयोग को बढ़ावा देना और भारत के अग्रणी वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था बनने के दीर्घकालिक लक्ष्य का समर्थन करना है। योजना के तहत देश के सात अलग-अलग क्षेत्रों से चरणबद्ध तरीके से अधिकतम सात शैक्षणिक संस्थानों का चयन किया जाएगा।

'भाजपा की जीत संगठन और सरकार के संयुक्त प्रयास का परिणाम'

नागपुर/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में 'महायुति' की सफलता भाजपा संगठन और सरकार के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। उन्होंने भरोसा जताया कि आगामी नगर निगम चुनावों में गठबंधन और भी बेहतर प्रदर्शन करेगा। फडणवीस ने कहा, यह संगठन और सरकार दोनों के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। हमने विकास के मुद्दे पर चुनाव लड़ा। मैंने सकारात्मक विकास एजेंडे पर आधारित अभियान का नेतृत्व किया और मैंने कभी किसी राजनीतिक नेता या पार्टी की आलोचना नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने विकास एजेंडा, अब तक किए गए कार्यों और भविष्य की योजनाओं के आधार पर वोट मांगे। उन्होंने कहा, पहली बार मैंने शत-प्रतिशत सकारात्मक वोट मांगे थे, और लोगों ने हमें शत-प्रतिशत सकारात्मक वोट दिए।

स्वायत्त एआई 2026 तक करेगी व्यवसायिक प्रक्रियाओं का संचालन: विप्रो सीटीओ

नई दिल्ली/भाषा। विप्रो की मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी संध्या अरुण ने कहा कि 2026 तक वैश्विक प्रौद्योगिकी में बड़ा बदलाव आएगा। अरुण के अनुसार कंपनियां अब अलग-अलग कृत्रिम मेधा (एआई) प्रयोगों से आगे बढ़कर स्वायत्त एआई के युग में प्रवेश करेंगी, जिसमें स्वतंत्र एआई एजेंट जटिल व्यावसायिक प्रक्रियाओं का संचालन करेंगे। अरुण ने बताया कि 2025 में सृजनात्मक एआई का आधार तैयार हुआ, लेकिन 2026 में इसका मुख्य ध्यान बड़े पैमाने पर व्यवसायिक कार्यों में एआई के उपयोग पर होगा। उन्होंने कहा, ''कंपनियां अब छोटे प्रयोगों से निकलकर पूरे संगठन में एआई के प्रयोग पर ध्यान दे रही हैं। एआई 2026 तक एजेंट आईटी, मानव संसाधन, वित्त, विपणन और आपूर्ति श्रृंखला जैसे कार्यों को संभालेंगे।''

अरुण ने यह भी कहा कि एआई के अधिक स्वायत्त होने से मानव कर्मचारियों की भूमिका बदल जाएगी। अब उनका काम केवल कार्य निष्पादन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वे एआई के संचालन और समन्वय की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि उद्योग-विशेष एआई मॉडल सामान्य प्रयोजन मॉडल से अधिक सटीक और कम खर्चीले होंगे। इसके अलावा, प्रोग्राम योग्य मुद्रा और क्वांटम प्रौद्योगिकी भी भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

हरियाणा में 3.3 तीव्रता का भूकंप

नई दिल्ली/भाषा। हरियाणा के कुछ हिस्सों में रविवार को 3.3 तीव्रता का भूकंप आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, अपरा 12 बजकर 13 मिनट पर महसूस किए गए इस भूकंप का केंद्र रोहतक में था और इसकी गहराई पांच किलोमीटर थी। जान-माल का किसी भी प्रकार का नुकसान होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है।

पंजाब के तीन पवित्र शहरों' में मांस और शराब पर प्रतिबंध प्रभावी रूप से लागू : भगवंत मान

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब सरकार द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने के बाद अमृतसर नगर, तलवंडी साबो और श्री आनंदपुर साहिब में मांस, तंबाकू, शराब और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री प्रतिबंधित कर दी गई है। राज्य सरकार की ओर से इन शहरों को 'पवित्र शहर' का दर्जा दिया गया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने रविवार को एक वीडियो संदेश में कहा कि सिखों के बीच पूजनीय तीन स्थानों को पवित्र शहर का दर्जा देने का निर्णय पंजाब सरकार की अधिसूचना के बाद अब प्रभावी हो गया है। पिछले महीने गुरु तेग बहादुर की शहादत की 350वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में श्री आनंदपुर साहिब में आयोजित पंजाब विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान इस संबंध में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया गया था। बाद में, 15 दिसंबर को राज्य सरकार द्वारा एक अधिसूचना जारी कर रूपनगर जिले के श्री आनंदपुर साहिब, बठिंडा के तलवंडी साबो और अमृतसर के स्वर्ण मंदिर के आसपास के 'गलियारा' क्षेत्र को 'पवित्र शहर' का दर्जा दिया गया है। मान ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि सिखों के पांच 'तख्त' हैं, जिनमें से तीन - श्री अकाल तख्त साहिब (अमृतसर), श्री दमदमा साहिब (तलवंडी साबो, बठिंडा) और तख्त श्री केशगढ़ साहिब (श्री आनंदपुर साहिब) पंजाब में हैं।

स्वदेशी स्टार्टअप दिगांतारा ने अंतरिक्ष से मिसाइलों की निगरानी के क्षेत्र में कदम रखा

नई दिल्ली/भाषा। अंतरिक्ष क्षेत्र में सक्रिय भारतीय स्टार्टअप कंपनी दिगंतारा ने उपग्रहों के जरिए मिसाइलों का पता लगाने और उनकी निगरानी करने के क्षेत्र में कदम रखा है। अंतरिक्ष मलबे और अंतरिक्ष यातायात की निगरानी वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उभरी है। कंपनियां उच्च गति वाले इंटरनेट और पृथ्वी अवलोकन अनुप्रयोगों के लिए पृथ्वी की निचली कक्षा में अधिक उपग्रहों का प्रक्षेपण कर रही हैं। दिगंतारा इंडस्ट्रीज के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनिरुद्ध शर्मा ने कहा, ''हम अंतरिक्ष में तेजी से गतिमान वस्तुओं पर नजर रख रहे थे। इसी अनुभव और सीख का उपयोग हम मिसाइलों का पता लगाने और अंतरिक्ष से उनकी निगरानी के लिए करने वाले हैं।'' कंपनी 'एससीओटी' नामक एक व्यावसायिक अंतरिक्षनिगरानी उपग्रह संचालित करती है, जिसे जनवरी 2025 में कक्षा में भेजा गया था और 202627 में अपनी अंतरिक्ष निगरानी क्षमता बढ़ाने के लिए ऐसे 15 और उपग्रह कक्षा में भेजने की योजना बना रही है। इसका एकीकृत ढांचा 'एआईआरए' उन्नत हार्डवेयर, डेटा और प्रक्रिया क्षमता को अंतरिक्ष और भूमि आधारित प्रणालियों के बीच जोड़ता है।

तेलंगाना में किए वादों पर सोनिया गांधी रुख स्पष्ट करें: किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से तेलंगाना में किसानों और अन्य वर्गों से किए गए वादों पर पार्टी का रुख स्पष्ट करने का रविवार को आग्रह किया।

रेड्डी ने एक खुले पत्र में याद दिलाया कि 2023 के तेलंगाना विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान गांधी ने कांग्रेस का चुनावी घोषणापत्र 'अभयहस्तम' जारी किया था और राज्य की जनता को व्यक्तिगत रूप से आश्वासन दिया था कि कांग्रेस के सत्ता में आने पर छह गारंटियों को तुरंत लागू किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने लिखा, कांग्रेस पार्टी ने चुनाव जीता और अब सत्ता में रहते हुए दो वर्ष पूरे कर चुकी है। इस दौरान क्या आपने कभी उस घोषणापत्र की स्थिति की समीक्षा की या उसके बारे में जानकारी ली, जिसका वादा आपने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाद्रा और कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर तेलंगाना की जनता से किया था? क्या आपने हाल में मुख्यमंत्री से हुई मुलाकात के दौरान यह मुद्दा उठाया? मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा हाल में सोनिया गांधी को 'तेलंगाना राइजिंग2047 विजन डॉक्यूमेंट' सौंपे जाने का जिक्र करते हुए किशन रेड्डी ने कहा कि खबरों के अनुसार, सोनिया गांधी ने दो वर्षों में सरकार के प्रदर्शन की सराहना की और राज्य के विकास को लेकर मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण की प्रशंसा भी की। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि रेवंत रेड्डी को दो साल पूरे होने पर दी गई बधाई से यह आभास होता है कि या तो सोनिया गांधी वादों के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत से अनजान हैं, या फिर यह परखने का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया कि जनता से किए गए वादे वास्तव में पूरे हुए हैं या नहीं।

ध्यान आंतरिक शांति, भावनात्मक स्थिरता की ओर ले जाता है: उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि ध्यान एक ऐसा सार्वभौमिक अभ्यास है जो सांस्कृतिक, भौगोलिक और धार्मिक सीमाओं से परे होकर आंतरिक शांति, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक स्थिरता की ओर ले जाता है। तेलंगाना के कन्हा शांति वनम में विश्व ध्यान दिवस कार्यक्रम में राधाकृष्णन ने कहा कि भारत में ध्यान सिर्फ एक अभ्यास नहीं है, बल्कि यह एक प्राचीन विज्ञान है, मन और आत्मा के लिए एक ऐसी विधा है जो सदियों से जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत 2047 का दृष्टिकोण सिर्फ देश की आर्थिक प्रगति के लिए नहीं है, बल्कि यह भारतवासियों की भावनात्मक भलाई और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी है।

उपराष्ट्रपति ने कहा, ध्यान एक सार्वभौमिक अभ्यास है जो सांस्कृतिक, भौगोलिक व धार्मिक सीमाओं से परे है। यह एक ऐसा मार्ग है जो आंतरिक शांति, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक स्थिरता की ओर ले जाता है।

प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के विजन के तहत स्वदेशी को मिली नई दिशा : मुख्यमंत्री सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के साथ स्वदेशी को एक नई दिशा मिली है। सैनी ने कहा कि स्वदेशी भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का मूलमंत्र रहा है और महात्मा गांधी ने इसे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के साधन के रूप में इस्तेमाल किया था।

सैनी ने पंचकूला में 'स्वदेशी महोत्सव-2025' का उद्घाटन करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा, आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत के विजन के साथ स्वदेशी को एक नई दिशा मिली है।

सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अपने स्थानीय कौशल को आधुनिक तकनीक के साथ एकीकृत करें और नौकरी चाहने वालों के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बनें। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार मुद्रा योजना, स्टैंड-अप इंडिया और एमएसएमई क्षेत्र के लिए विशेष सब्सिडी जैसी योजनाओं के माध्यम से युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वदेशी प्रौद्योगिकी का युवा नेतृत्व वाला विकास न केवल नए उद्यमों को प्रोत्साहित करेगा बल्कि भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। सैनी ने कहा कि 'स्वदेशी' की अवधारणा अब पारंपरिक उत्पादों तक सीमित नहीं है बल्कि इसे अब प्रौद्योगिकी, सॉफ्टवेयर, रक्षा उपकरण और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वैश्विक मानकों के अनुरूप स्थानीय विनिर्माण को विकसित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचने की राह पर है।

मुफ्ती का भाजपा के साथ गठबंधन गलत समझा गया, यह जम्मू-कश्मीर के हित में था : पीडीपी प्रमुख

जम्मू/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि उनके पिता एवं जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद को 2015 में भाजपा के साथ गठबंधन सरकार बनाने के उनके फैसले के लिए जनता ने गलत समझा था। भाजपा के साथ हाथ मिलाने का मुफ्ती का फैसला जम्मू-कश्मीर के व्यापक हित में लिया गया था।

महबूबा पार्टी के जनसंपर्क कार्यक्रम में लोगों की शिकायतों को सुनने के बाद उन्हें संबोधित कर रही थीं। मुफ्ती ने कहा कि अनियंत्रित खनन,बढ़ती बेरोजगारी और मादक पदार्थ की समस्या ने क्षेत्र में जनता की कठिनाइयों को बढ़ा दिया है और उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार पर कोई बदलाव न लाने का आरोप लगाया। महबूबा ने कहा, ''मुफ्ती साहब (पीडीपी संस्थापक) ने जम्मू की जनता के जनादेश का सम्मान किया, जिन्होंने 2014 के चुनावों में भाजपा को 28 विस सीटें दीं।

संसद में 'शांति' विधेयक न केवल 'ट्रंप', बल्कि 'अदाणी' के लिए भी जल्दबाजी में पारित हुआ : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 'शांति' विधेयक को लेकर रविवार को मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि इसे संसद में न केवल 'ट्रंप', बल्कि 'अदाणी' के लिए जल्दबाजी में पारित कराया गया।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि निजी कंपनियों को इस क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति मिलने के बाद अदाणी समूह परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखने की योजना बना रहा है।

शुक्रवार को संपन्न हुए संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान दोनों सदनों द्वारा 'भारत के रूपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन और अभिवर्द्धन (शांति) विधेयक, 2025' को मंजूरी दी गई। इसका उद्देश्य कड़ाई से नियंत्रित असैन्य परमाणु क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोलना है।

रमेश ने दावा किया, ''शांति विधेयक को संसद में न केवल ट्रंप (द रिएक्टर यूज मैनेजमेंट प्रोग्राम) के लिए, बल्कि अदाणी (एक्सेलेरेटेड डेमेजिंग अधिनियम फोर न्यूक्लियर इंडिया) के लिए जल्दबाजी में पारित कराया गया।''

कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक वार्षिक रक्षा नीति विधेयक पर हस्ताक्षर किए जाने का हवाला देते हुए शनिवार को दावा किया था कि संसद के शीतकालीन सत्र में पारित ''शांति'' विधेयक का मकसद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ''उनके अच्छे मित्र रहे ट्रंप के बीच शांति बहाल करना था।''

रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया था, ''राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में अमेरिकी वित्त वर्ष 2026 के लिए 'नेशनल डिफेंस ऑथोराइजेशन एक्ट' पर हस्ताक्षर किए हैं। यह अधिनियम 3,100 पृष्ठों का है। पृष्ठ संख्या 1912 में परमाणु दायित्व नियमों पर अमेरिका और भारत के बीच संयुक्त मूल्यांकन का संदर्भ है।'' उन्होंने दावा किया, ''अब हम निश्चित रूप से जानते हैं कि प्रधानमंत्री ने इस सप्ताह की शुरुआत में संसद के माध्यम से शांति विधेयक को क्यों पारित करवाया, जिसमें अन्य बातों के अलावा, परमाणुवीय नुकसान के लिये सिविल दायित्व अधिनियम, 2010 के लिए नागरिक दायित्व के प्रमुख प्रावधानों को हटा दिया गया था, जिसे संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित किया गया था।'' रमेश ने कटाक्ष करते हुए कहा कि यह विधेयक पारित कराने का मक़सद प्रधानमंत्री के कभी अच्छे मित्र रहे ट्रंप के साथ शांति बहाल करना है। रमेश ने दावा किया कि शांति अधिनियम को ट्रंप अधिनियम (द रिएक्टर यूज मैनेजमेंट प्रोग्राम) कहा जा सकता है।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर को पोलियो मुक्त बनाए रखने का संकल्प लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर सरकार ने रविवार को पूरे केंद्रशासित प्रदेश में पल्स पोलियो अभियान चलाया और इस दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अभिभावकों से यह सुनिश्चित करने की अपील की कि पांच वर्ष तक का कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित ना रहे।

अब्दुल्ला ने केंद्रशासित प्रदेश को पोलियो-मुक्त बनाए रखने की सरकार की प्रतिबद्धता भी दोहराई। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''आज (रविवार) शुरू किए गए पल्स पोलियो अभियान के तहत मुख्यमंत्री ने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को निकटतम बूथ पर ले जाकर पोलियो की दवा पिलाएं।''

कार्यालय ने बताया कि मुख्यमंत्री ने ''हमारे बच्चों के भविष्य की सुरक्षा'' के लिए अथक प्रयास करने वाले स्वास्थ्य सेवा कर्मियों और स्वयंसेवकों की सराहना भी की। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री सकीना इटू ने यहां गांधी नगर स्थित सरकारी अस्पताल में बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत की। इटू ने केंद्रशासित प्रदेश की पोलियो-मुक्त स्थिति बनाए रखने के लिए नियमित टीकाकरण और समुदाय की भागीदारी की अहम भूमिका पर जोर दिया। इटू ने अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वयंसेवकों और जिला स्वास्थ्य दलों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, ''दूर-दराज के इलाकों में जाकर बच्चों को दो बूंद पिलाना बेहद चुनौतीपूर्ण था लेकिन अग्रिम पंक्ति के हमारे कर्मियों ने इसे कुशलता से पूरा किया।'' मंत्री ने कहा कि विभाग ने पूरे केंद्रशासित प्रदेश में लगभग 11,000 बूथ स्थापित किए हैं और अभियान के दौरान करीब 40,000 स्वास्थ्यकर्मियों की मदद से लगभग 20 लाख बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी।

बाइक रैली

बेंगलूरु में रविवार को क्रिसमस फेस्टिवल से पहले सांता क्लॉज़ की ड्रेस पहने बाइकर्स रविवार को एक बाइक रैली में हिस्सा लेते हुए।

इसरो के एलवीएम3 मिशन के तहत 24 दिसंबर को प्रक्षेपित किया जाएगा अगली पीढ़ी का संचार उपग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के आगामी 'एलवीएम3 एम6 मिशन' के तहत 24 दिसंबर को 'ब्लू बर्ड ब्लॉक-2' उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया जाएगा। यह मिशन अमेरिका में स्थित एएसटी स्पेसमोबाइल के साथ हुए वाणिज्यिक समझौते का हिस्सा है। इस ऐतिहासिक मिशन के तहत अगली पीढ़ी के संचार उपग्रह को तैनात किया जाएगा, जिसे दुनिया भर में सीधे स्मार्टफोन तक हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन किया गया है।

एएसटी स्पेसमोबाइल (एएसटी एंड साइंस, एलएलसी) पहला और एकमात्र अंतरिक्ष-आधारित सेलुलर ब्रॉडबैंड नेटवर्क विकसित कर रहा है, जो सीधे स्मार्टफोन के माध्यम से सुलभ है और वाणिज्यिक व सरकारी दोनों अनुप्रयोगों के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, हम आज लगभग छह अरब मोबाइल उपभोक्ताओं को हो रही 'कनेक्टिविटी' की समस्या को दूर करने और उन अरबों लोगों तक ब्रॉडबैंड सुविधा पहुंचाने के मिशन पर हैं जो अब भी इंटरनेट से जुड़े नहीं हैं।

एएसटी स्पेसमोबाइल ने सितंबर 2024 में पांच उपग्रह 'ब्लू बर्ड 1-5' लॉन्च किए थे, जो अमेरिका और कुछ अन्य चुनिंदा देशों में निरंतर इंटरनेट कवरेज को सक्षम बनाते हैं।

अमेरिका में स्थित इस कंपनी ने अपने नेटवर्क सपोर्ट को और मजबूत करने के लिए इसी तरह के और उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बनाई है तथा इसके लिए दुनिया भर के 50 से अधिक मोबाइल ऑपरेटर के साथ साझेदारी की है। आगामी मिशन के तहत, एएसटी स्पेसमोबाइल अपने अगली पीढ़ी के संचार उपग्रह ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 को लॉन्च करने की योजना बना रहा है, जिसे 24 घंटे दुनिया भर में सीधे स्मार्टफोन तक हाई-स्पीड सेल्युलर ब्रॉडबैंड उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन किया गया है।

इसरो के अनुसार, यह मिशन न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड और एएसटी स्पेसमोबाइल (एएसटी एंड साइंस, एलएलसी) के बीच हुए समझौते के तहत एक समर्पित वाणिज्यिक प्रक्षेपण होगा। न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड, बेंगलूरु में स्थित इसरो की वाणिज्यिक शाखा है। ब्लूबर्ड ब्लॉक-2 मिशन वैश्विक लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में उपग्रहों के समूह का हिस्सा है जिसका उद्देश्य उपग्रह के माध्यम से सीधे मोबाइल कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

एथलीट कर्नाटक को वैश्विक गौरव दिलाएं : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राज्यपाल थावरचंद गहलोत और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को बेंगलूरु के लोक भवन में कर्नाटक ओलंपिक एसोसिएशन अवार्ड्स2025 प्रदान किए।

बेंगलूरु। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने खिलाड़ियों से सरकारी सहयोग का लाभ उठाने और खेलों में उत्कृष्टता के माध्यम से वैश्विक स्तर पर कर्नाटक की प्रतिष्ठा बढ़ाने का आह्वान किया। लोक भवन में कर्नाटक ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित 'कर्नाटक ओलंपिक संघ पुरस्कार-2025' वितरण समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत सरकार और कर्नाटक सरकार दोनों ही खेल गतिविधियों को मजबूत करने और खिलाड़ियों के समग्र उत्थान को सुनिश्चित करने में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। राज्यपाल ने कहा, राज्य सरकार ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में प्रतिभाओं की पहचान करके और उपयुक्त मंच उपलब्ध कराकर खेलों को बढ़ावा देने के लिए मजबूत नीतियां बनाई हैं। कर्नाटक राज्य खेल प्राधिकरण और युवा सशक्तिकरण एवं खेल विभाग खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की आधुनिक खेल सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार छात्रवृत्ति, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से युवा खिलाड़ियों के लिए अवसर पैदा कर रही है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, सरकारी नौकरियों में आरक्षण और उचित मान्यता प्रदान की जाती है। परिणामस्वरूप, कर्नाटक खेलों को स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर लगातार प्रगति कर रहा है।

जमीनी स्तर के विकास पर जोर देते हुए राज्यपाल ने कहा कि खेल जगत में देश की भागीदारी बढ़ाने के लिए जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं की पहचान और उनका पोषण करना आवश्यक है। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों में नियमित खेल गतिविधियों और अनिवार्य शारीरिक शिक्षा को प्रोत्साहित करने, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल अवसंरचना को मजबूत करने, प्रशिक्षित प्रशिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अवसरों का विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने आगे कहा, सामाजिक मान्यता और रोजगार सुरक्षा प्रदान करने से युवा पीढ़ी को खेल को पेशे के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। भारतीय खेलों में कर्नाटक के योगदान पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य ने क्रिकेट, बैडमिंटन, एथलेटिक्स, हॉकी, कबड्डी और तैराकी में उत्कृष्ट खिलाड़ी दिए हैं। उन्होंने कहा, बेंगलूरु जैसे शहरों में अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अकादमियां, स्टेडियम और प्रशिक्षण केंद्र हैं। ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और अन्य वैश्विक प्रतियोगिताओं में कर्नाटक के खिलाड़ियों का उल्लेखनीय प्रदर्शन यह साबित करता है कि कर्नाटक वास्तव में प्रतिभाओं की भूमि है। उन्होंने खिलाड़ियों से राज्य की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए उपलब्ध सुविधाओं का पूरा उपयोग करने का आग्रह किया। अभिभावकों और शिक्षकों से अपील करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बच्चों को खेलों में भाग लेने के लिए उनका प्रोत्साहन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, खेल शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास में योगदान देते हैं और जिम्मेदार नागरिक बनाने में सहायक होते हैं।

उन्होंने कर्नाटक ओलंपिक एसोसिएशन पुरस्कारों को राज्य के खेल समुदाय के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया और कहा कि ये पुरस्कार खेल विकास में योगदान देने वाले खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, प्रशासकों और संस्थानों को सम्मानित करते हैं। उन्होंने कहा, यह पहल अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्टता को बढ़ावा देती है और कर्नाटक को एक सशक्त खेल राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, गृह मंत्री जी. परमेश्वर, एमएलसी और कर्नाटक ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. के. गोविंदराज, प्रधान सचिव नवीन राज सिंह, आयुक्त आर. चेतन और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या बेंगलूरु में पल्स पोलियो इम्यूनाइज़ेशन प्रोग्राम के दौरान एक बच्चे को पोलियो ड्रॉप्स पिलाते हुए।

सिद्दरामय्या और निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक में पोलियो टीकाकरण अभियान की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को राज्यव्यापी पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान की शुरुआत की। सिद्दरामय्या ने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव और गृह मंत्री जी परमेश्वर के साथ अपने आवास 'कावेरी' में अभियान की शुरुआत की। वहीं सीतारमण ने कमलापुरा में पांच साल से कम उम्र के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई।

केंद्रीय वित्त मंत्री राज्य के विजयनगर जिले में 'चिंतन शिविर' के सिलसिले में आई हुई हैं।

उनके 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा गया, निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक के कमलापुरा में पोलियो टीकाकरण अभियान की शुरुआत की, जो बच्चों की सेहत की रक्षा और पोलियो मुक्त भारत सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। स्वास्थ्य विभागों द्वारा साझा किए गए विवरण के अनुसार, पोलियो टीकाकरण के लिए लगभग 62.4 लाख बच्चों की पहचान की गई है। बयान में कहा गया है कि रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर भी बूथ स्थापित किए जाएंगे।

मनरेगा से गांधी का नाम हटाना महात्मा की 'दूसरी हत्या' है : चिदंबरम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को कहा कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना महात्मा गांधी की ''दूसरी हत्या'' है। उन्होंने कहा कि पूर्व ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना बहाल होने तक कांग्रेस का विरोध जारी रहेगा। पूर्व वित्त मंत्री ने यहां एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा, ''पार्टी घर-घर जाकर, गांव-गांव जाकर इस धोखाधड़ी का पर्दाफाश करेगी और यह अधिनियम निरस्त होने तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।''

विपक्ष के विरोध के बीच 18 दिसंबर को संसद ने वीबी-जी राम जी विधेयक, 2025 को पारित किया था। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने रविवार को इस विधेयक को मंजूरी दे दी। इस विधेयक का उद्देश्य 20 साल पुराने 'ग्रामीण रोजगार कानून मनरेगा' को प्रतिस्थापित करना है और प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति वित्त वर्ष 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित करना है। चिदंबरम ने कहा, ''मेरे अनुसार, यह महात्मा गांधी की दूसरी हत्या है। उनकी हत्या 30 जनवरी, 1948 को हुई थी। उन्होंने महात्मा गांधी को फिर से मार डाला है - उन्होंने उनकी स्मृति को मिटाया है।''

उन्होंने कहा, ''आप गांधी और नेहरू को आधिकारिक अभिलेखों से मिटाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन वे भारत की जनता की गहरी चेतना में बुद्ध या यीशु की तरह जीवित हैं। कोई भी सरकारी आदेश उन्हें मिटा नहीं सकता।'' चिदंबरम ने कहा कि केंद्र द्वारा किए गए बदलावों ने मांग आधारित अधिकार को ''विवेकाधीन योजना'' में बदल दिया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के गरीबों को रोजगार की गारंटी से वंचित कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, ''मूल कानून के तहत, यदि कोई व्यक्ति काम की मांग करता था, तो सरकार उसे उपलब्ध कराने के लिए कानूनी रूप से बाध्य थी। अब, लोग तभी काम मांग सकते हैं जब सरकार पहले उन्हें काम की पेशकश करे।'' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने नए विधेयकों के शीर्षक के लिए सरकार द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे नामों पर भी सवाल उठाया, जिन्हें उन्होंने अंग्रेजी अक्षरों में लिखे ''हिंदी शब्द'' बताया। चिदंबरम ने कहा कि 'विकसित भारत - जी राम जी' जैसे नाम दक्षिण भारत के ग्रामीण इलाकों के लोगों के लिए भ्रामक और समझने में मुश्किल हैं।''

उन्होंने कहा, ''शायद मंत्रियों को भी इन नामों का मतलब समझ में न आए। कानून कहता है कि जब तक राज्य इस नाम का इस्तेमाल नहीं करेंगे, उन्हें धनराशि नहीं मिलेगी।''

चिदंबरम ने दावा किया कि यह योजना जो कभी सार्वभौमिक थी अब केंद्र द्वारा चुने गए ''जिलों'' तक ही सीमित रहेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि मनरेगा के मूल ढांचे के विपरीत, जो हर ग्रामीण जिले तक फैला हुआ था, नया कानून अब राष्ट्रीय स्तर का नहीं है और इसमें शहरी या नगर पंचायत क्षेत्र शामिल नहीं होंगे। वरिष्ठ नेता ने आरोप लगाया कि वित्तपोषण की जिम्मेदारी राज्यों पर डाली जा रही है क्योंकि पहले केंद्र सरकार मजदूरी का पूरा भुगतान और सामग्री खर्च का 75 प्रतिशत वहन करती थी।

कोडाइकनाल वेधशाला में एकत्रित आंकड़ों से सूर्य के रहस्यों को सुलझाने में मदद मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सौ साल पुरानी कोडाइकनाल सौर वेधशाला में वर्षों से एकत्रित दैनिक सौर प्रेक्षणों से सूर्य की चुंबकीय गतिविधि में अक्षांशों के अनुसार होने वाले परिवर्तनों के बारे में नयी जानकारी मिली है। इस खोज से अंतरिक्ष-मौसम पूर्वानुमान और जलवायु मॉडल में भी मदद मिल सकती है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अधीन स्वायत्त निकाय भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (आईआईए) के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में सूर्य के प्रकाश की कैल्शियम-के रेखा में कैप्चर किए गए 11 वर्षों के स्पेक्ट्रोस्कोपिक डेटा का विश्लेषण किया गया। यह स्पेक्ट्रल सिग्नेचर सूर्य के क्रोमोस्फीयर में बहुत ऊपर बनता है और चुंबकीय गतिविधि के संवेदनशील मार्कर के रूप में कार्य करता है। शोध के लेखकों में शामिल अपूर्व श्रीनिवास ने पीटीआई-भाषा' को बताया, सूर्य पर किए गए सभी अध्ययन अंततः अंतरिक्ष मौसम को समझने के लिए आवश्यक हैं, जिसका पृथ्वी पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए, जितना अधिक हम समझेंगे, संभावित व्यवधानों और आपदाओं के लिए हम उतनी ही बेहतर तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि हाल में निरंतर अवलोकन के 125 वर्ष पूरे करने वाली कोडाइकनाल सौर वेधशाला में दुनिया का सबसे वृहद सौर डेटासेट उपलब्ध है। श्रीनिवास के अनुसार, शोध टीम ने इस समृद्ध संग्रह का इस्तेमाल यह पता लगाने के लिए किया कि सूर्य की चुंबकीय तीव्रता अक्षांशों में कैसे बदलती है - जिससे उच्च गतिविधि के लगातार क्षेत्र सामने आए, जो सूर्य के 11-वर्षीय सनस्पॉट शिखर चक्र के अनुरूप हैं। अध्ययन के प्रमुख लेखक के पी राजू ने कहा, सूर्य आग का स्थिर गोला नहीं है, बल्कि चुंबकीय रूप से सक्रिय तारा है, जो गतिविधि के व्यापक चक्रों का अनुसरण करता है। आईआईए के पूर्व प्रोफेसर ने कहा, सूर्य को अक्षांशीय पट्टियों में विभाजित करके और प्रत्येक से आने वाले एकीकृत प्रकाश का विश्लेषण करके, हम उन पैटर्न को उजागर कर सकते हैं, जो सूर्य के धब्बों जैसी अलग-अलग विशेषताओं का अध्ययन करते समय अदृश्य होते हैं।

कर्नाटक में नेतृत्व को लेकर भ्रम स्थानीय स्तर पर है, आलाकमान में नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को स्पष्ट किया कि पार्टी की कर्नाटक इकाई में नेतृत्व के मुद्दे को लेकर भ्रम केवल स्थानीय स्तर पर है, पार्टी आलाकमान के भीतर नहीं। खरगे ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, आलाकमान ने कोई भ्रम उत्पन्न नहीं किया है। यह केवल स्थानीय स्तर पर मौजूद है। उन्होंने सवाल किया, ''आलाकमान पर दोष डालना कैसे सही है?'' खरगे ने कहा कि स्थानीय नेताओं को आंतरिक विवादों का दोष आलाकमान पर डालने के बजाय उसकी जिम्मेदारी स्वयं लेनी चाहिए। कांग्रेस प्रमुख ने साथ ही कहा कि पार्टी की चुनावी सफलता का श्रेय लेने से बचा जाना चाहिए।

उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा, पार्टी को सभी ने मिलकर बनाया है। यह किसी एक व्यक्ति का प्रयास नहीं है। कांग्रेस को पार्टी कार्यकर्ताओं ने बनाया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमारा समर्थन किया। राज्यसभा में विपक्ष के नेता खरगे ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे व्यक्तिगत योगदान का घमंड करना बंद करें और कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास को स्वीकार करें।

यह बयान कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच सत्ता को लेकर कथित खींचतान के बीच आया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि उन्हें अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के लिए पार्टी नेतृत्व का उन्हें समर्थन है। शिवकुमार के पार्टी आलाकमान से मिलने के लिए दिल्ली जाने के सवाल पर, मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, ''मुझे इस मामले में कोई जानकारी नहीं है।''

स्कूलों को 'सांप्रदायिक प्रयोगशालाओं' में बदलने नहीं दिया जाएगा : केरल सरकार

तिरुवनंतपुरम/दक्षिण भारत। केरल सरकार ने रविवार को उन खबरों की कड़ी निंदा की, जिनमें दावा किया गया था कि कुछ निजी स्कूल प्रबंधनों ने क्रिसमस समारोहों पर प्रतिबंध लगा दिए हैं और छात्रों से इस कार्यक्रम के लिए एकत्र की गई धनराशि वापस कर दी। राज्य सरकार ने यह भी चेतावनी दी कि स्कूलों को ''सांप्रदायिक प्रयोगशालाओं'' में बदलने नहीं दिया जाएगा। माकपा के मुखपत्र देशाभिमानी' ने एक समाचार प्रकाशित किया, जिसमें दावा किया गया है कि संघ परिवार द्वारा संचालित कुछ स्कूलों और हिंदू प्रबंधन द्वारा संचालित एक निजी स्कूल ने क्रिसमस समारोह पर प्रतिबंध लगा दिया। हालांकि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उक्त स्कूल प्रबंधन ने इसका खंडन किया है।

सरकार ने कहा कि केरल जैसे राज्य में ऐसी चीज पहले कभी नहीं देखी गई है, जहां लोकतांत्रिक चेतना का स्तर उच्च है और धर्मनिरपेक्ष परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। उसने कहा कि मामले की ''तत्काल जांच'' के आदेश दिए गए हैं। राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने यहां पत्रकारों से कहा, धर्म या आस्था के आधार पर लोगों को बांटने वाले उत्तर भारतीय मॉडल' को केरल के शिक्षा संस्थानों में लागू करने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा कि स्कूल ऐसे स्थान हैं जहां बच्चे जाति और धर्म से परे जाकर एक साथ सीखते एवं बड़े होते हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों के बीच विभाजनकारी विचार के प्रसार का कोई भी प्रयास अस्वीकार्य है। मंत्री ने कहा कि अधिकारियों को इस मामले की तत्काल जांच करने और रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। संपर्क करने पर, आरएसएस के एक पदाधिकारी ने कहा कि उनकी जानकारी के अनुसार, ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''ऐसा निर्णय लेने की कोई संभावना नहीं है। हम किसी भी प्रकार के सांस्कृतिक समारोहों के खिलाफ नहीं हैं।'' इस बीच, समाचार रिपोर्ट में उल्लेखित हिंदू प्रबंधन स्कूल के अधिकारियों ने भी स्पष्ट किया कि उनके संस्थान में क्रिसमस समारोह पर कोई प्रतिबंध नहीं है। प्रबंधन ने कहा, भोजन विषाक्तता की आशंकाओं को देखते हुए, उत्सव के दौरान केक काटने पर प्रतिबंध लगाया गया है।

उद्घाटन

मैसूरु पैलेस में रविवार को मैसूरु पैलेस परिसर में मागी उत्सव (विंटर फेस्टिवल) के हिस्से के रूप में आयोजित 10-दिवसीय फ्लावर शो का उद्घाटन किया गया।

मुख्यमंत्री ने 'रन फॉर विकसित राजस्थान' को दिखाई हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। राज्य सरकार ने हर क्षेत्र और हर वर्ग के उत्थान के लिए निर्णय लिए हैं। विशेषकर युवाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने युवाओं से स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहने तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान देने की अपील की जिससे प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू सके। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेशवासी एक कदम आगे बढ़ेंगे तो राजस्थान कई गुना आगे बढ़ेगा। शर्मा राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को 'रन फॉर विकसित राजस्थान' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने अमर जवान ज्योति से 'रन फॉर विकसित राजस्थान' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि गत सरकार के समय युवाओं के सपनों को रौंदते हुए पेपरलीक के अनेक प्रकरण हुए थे जबकि हमारी सरकार के कार्यकाल में 296 भर्ती परीक्षाएं आयोजित की गई, उनमें से एक भी पेपरलीक नहीं हुआ है। हमारा लक्ष्य है कि युवाओं को पांच साल में चार लाख सरकारी नौकरियां दी जाएं। इसी क्रम में राज्य सरकार ने दो वर्ष के कार्यकाल में अब तक 92 हजार से अधिक नियुक्तियां प्रदान की हैं तथा 1.53 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है।

साथ ही, इस माह भी लगभग 20 हजार पदों पर युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत हुए 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू में से 8 लाख करोड़ रुपये की ग्राउंड ब्रेकिंग की जा चुकी है। राज्य सरकार युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दे रही है, जिससे वे अब रोजगार प्रदाता भी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने जब एक वर्ष का कार्यकाल पूरा किया था, तब अपने कार्यों का रिकॉर्ड लेकर जनता के बीच गए थे तथा अब भी राज्य सरकार के दो साल पूरे होने पर हम अपने कार्यों का रिपोर्ट कार्ड लेकर जनता के सामने जा रहे है। गांव-गांव, ढाणी-ढाणी तक विकास कार्यों की जानकारी पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य के विकास के लिए रोडमैप बनाकर कार्य किया है। हमने प्रदेश में बिजली, पानी, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अनेक अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। साथ ही, राज्य सरकार किसान, महिला, युवा, मजदूर सहित सभी वर्गों के सशक्तीकरण के लिए भी निरंतर कार्य कर रही है।

इस अवसर पर युवा मामले और खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार ने दो वर्ष में हर क्षेत्र में काम किया हैं, जिससे युवाओं को रोजगार के अनेक अवसर मिले हैं। हमारी सरकार राज्य को भारत में अग्रणी स्टेट बनाने की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ दौड़ में हिस्सा लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इससे पहले शर्मा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के पदक विजेताओं का सम्मान भी किया। इस दौरान विधायक कुलदीप, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, शासन सचिव युवा मामले एवं खेल नीरज के. पवन सहित बड़ी संख्या में प्रतिभागी मौजूद रहे।

राजस्थान की राजनीति में 'नेता गढ़ने' की परंपरा पर सवाल

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आज राजस्थान कांग्रेस में 'हुजूरिया संस्कृति' हावी है। नेता अपने आकाओं को खुश रखने में अधिक विश्वास रखते हैं और जरा सी असहमति या कथित कमी पर उन्हें किनारे कर दिया जाता है।

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में नेताओं को गढ़ने की वह परंपरा, जो पूर्व मुख्यमंत्री द्वय हरिदेव जोशी और मोहनलाल सुखाड़िया के दौर में दिखाई देती थी, अब लगभग समाप्त होती नजर आ रही है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा आम है कि आज बड़े नेता संगठन से अधिक अपने प्रति वफादार 'यस-मैन' तैयार करने पर जोर दे रहे हैं, जिससे मजबूत और स्वतंत्र नेतृत्व उभर नहीं पा रहा। प्रदेश कांग्रेस में मोहनलाल सुखाड़िया, हरिदेव जोशी और परसराम मदेरणा जैसे दिग्गज नेता ऐसे रहे, जिनके सान्निध्य में रहकर कई कार्यकर्ता आगे चलकर बड़े नेता बने। इनमें पं. नवल किशोर शर्मा, चंदनमल वैद, हीरालाल देवपुरा, शीशराम ओला और रामदेव सिंह महरिया जैसे नाम शामिल हैं। इन नेताओं की पहचान पद से अधिक उनकी कार्यशैली और जनाधार से रही, जिसके चलते वे सत्ता में हों या विपक्ष में, हर दौर में प्रभावशाली बने रहे।

वर्तमान राजनीति को लेकर यह बहस भी तेज है कि अशोक गहलोत और गोविंद सिंह डोटासरा की तुलना में सचिन पायलट के नेतृत्व में 'नेताओं की खरपतवार' अधिक बढ़ी। हालांकि, सच्चाई यह भी मानी जा रही है कि उनके समर्थक कई मंत्री और विधायक तो बने, लेकिन वे लंबे समय तक सियासी पटल पर दमदार मौजूदगी दर्ज नहीं करा सके। ऐसे नेता पद रहते ही चमकते दिखे, लेकिन पद छूटते ही उनकी राजनीतिक चमक फीकी पड़ गई।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि आज राजस्थान कांग्रेस में 'हुजूरिया संस्कृति' हावी है। नेता अपने आकाओं को खुश रखने में अधिक विश्वास रखते हैं और जरा सी असहमति या कथित कमी पर उन्हें किनारे कर दिया जाता है। यही वजह है कि मंत्री और विधायक बनने के बावजूद कई नेता अपने-अपने जिलों में भी सर्वमान्य नेतृत्व स्थापित नहीं कर पाए। इन हालातों के बीच यह भी कहा जा रहा है कि वर्तमान समय में हनुमान बेनीवाल और रविंद्र भाटी जैसे नेता ऐसे उदाहरण हैं, जिन्होंने बिना किसी बड़े राजनीतिक संरक्षक के सीधे जनसमर्थन के बल पर अपनी पहचान बनाई है। यही जनाधार उन्हें वास्तविक अर्थों में 'नेता' कहलाने का अधिकार देता है।

विद्यार्थी सदा सत्य, धर्म और मानवता के मार्ग पर चलें, शिक्षा से ही गरीबी का अंत संभव : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि प्राचीन काल में गुरु और शिष्य परिवार के सदस्य होते थे जिससे छात्र का सतत मूल्यांकन संभव होता था। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी सदा सत्य के मार्ग पर चले, धर्म का पालन करें और मानवता की भलाई के लिए कार्य करें। बागड़े ने कहा कि जनजाति क्षेत्रों में उच्च शिक्षा ग्रहण करने वालों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। परिवार में जब कोई व्यक्ति पढ़-लिखकर नौकरी हासिल करता है तो उसकी पूरी पीढ़ी का भविष्य संवर जाता है। इस दिशा में वंचित वर्ग को शिक्षा से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। गरीबी केवल शिक्षा से ही दूर हो सकती है, इसके लिए समाज में शिक्षा को बढ़ावा देना होगा। राज्यपाल बागड़े रविवार को उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज सभागार में आयोजित मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के 33वें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में विभिन्न संकायों के 255 शोधार्थियों को पीएचडी की डिग्री तथा 109 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक राज्यपाल एवं कुलाधिपति बागड़े द्वारा प्रदान किए गए। राज्यपाल बागड़े ने कहा कि मेवाड़ का इतिहास शूरवीरों, मर्यादा और श्रेष्ठ संस्कारों का इतिहास है। शिक्षा में जीवन के विभिन्न आयामों और संस्कारों का समावेश होना चाहिए, तभी अच्छे नागरिक तैयार होंगे। बच्चों की शारीरिक एवं बौद्धिक क्षमता का विकास करना शिक्षा का मूल उद्देश्य है। विश्वविद्यालयों को देश-दुनिया की टॉप रैंकिंग में लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।

समारोह में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ प्रशासक गुलाबचंद कटारिया ने दीक्षान्त संबोधन में कहा कि यह केवल डिग्री वितरण का अवसर नहीं है बल्कि एक विद्यार्थी के निर्माण में अध्यापक, अभिभावक और संस्थान का सामूहिक समर्पण होता है। गुरु की कृपा से ही व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ता है और जब तक धरती पर मानव रहेगा, गुरु का सम्मान बना रहेगा। उन्होंने कहा कि इस समारोह में सर्वाधिक स्वर्ण पदक और पीएचडी बालिकाओं को मिली हैं, जो इस बात का संकेत है कि हमारा समाज सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दीक्षान्त समारोह में उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। सरकार के स्तर पर मजबूती के साथ नीतिगत निर्णय लिए जा रहे हैं और साधनों के अभाव की पूर्ति के लिए सरकार कृतसंकल्पित है। शिक्षा जगत में मात्रात्मक सुधार के साथ-साथ गुणात्मक वृद्धि सुनिश्चित की जा रही है।

राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग जिला मुख्यालयों पर आयोजित करेगा जनसंवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग 22 दिसंबर से 3 जनवरी तक विभिन्न जिला मुख्यालयों में जिला स्तरीय जनसंवाद एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन करेगा। आयोग के जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश (सेनि.) मदनलाल भाटी दिसंबर माह में 22 को जैसलमेर और फलौदी, 23 को बाड़मेर और बालोतरा,24 को जालौर और सिरोही, 29 को गंगानगर और हनुमानगढ़, 30 को पाली में एवं आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश (सेनि.) मदनलाल भाटी एवं सदस्य गोपाल कृष्ण शर्मा संयुक्त रूप से 26 को डीडवाना - कुचामन-नागौर और 31 दिसम्बर को ब्यावर और भीलवाडा में जनसंवाद करेंगे।

जारी कार्यक्रम के अनुसार आयोग के सदस्य प्रो. राजीव सक्सेना एवं सदस्य गोपाल कृष्ण शर्मा संयुक्त रूप से दिसंबर माह में 22 को दौसा और डीग, 23 को धौलपुर व करौली में जनसंवाद करेंगे। आयोग के सदस्य मोहन मोरवाल, पवन मंडाविया संयुक्त रूप से दिसंबर माह में 22 को चित्तोडगढ़ और राजसमंद, 23 को प्रतापगढ और बांसवाडा, 24 को डूंगरपुर और संलुम्बर में जनसंवाद करेंगे। आयोग के सदस्य मोहन मोरवाल दिसंबर माह में 26 को टोंक व सवाई माधोपुर में जनसंवाद करेंगे। आयोग के सदस्य गोपाल कृष्ण शर्मा और पवन मंडाविया संयुक्त रूप से दिसंबर माह में 29 को झून्झूनू और चुरू एवं 30 को सीकर व कोटपूतली-बहरोड़ में जनसंवाद कार्यक्रम करेंगे। आयोग के सदस्य प्रो. राजीव सक्सेना एवं मोहन मोरवाल संयुक्त रूप से में 30 दिसंबर को अलवर-खैरथल, 2 जनवरी को झालावाड़ व 3 जनवरी को बांरा-बूंदी में जनसंवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे।

'रन फॉर विकसित राजस्थान' एवं 'संडे ऑन साइकिल' में युवाओं ने दिखाया उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के कार्यकाल के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत दौसा जिला मुख्यालय पर रविवार सुबह 'रन फॉर विकसित राजस्थान' एवं 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया गया। राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों के प्रति आमजन को जागरूक करने एवं फिट राजस्थान के लिए आयोजित 'रन फॉर विकसित राजस्थान' एवं 'संडे ऑन साइकिल' को जिला कलक्टर देवेंद्र कुमार, जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा एवं लक्ष्मी रेला ने हरी झंडी दिखाकर कलक्ट्रेट से रवाना किया। प्रतिभागी वहां से सोमनाथ सर्किल होते हुए पं. नवल किशोर शर्मा राजकीय पीजी कॉलेज पहुंचे, जहां दौड़ और साइकिल यात्रा का समापन हुआ।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर वादकों ने 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा...' धुन का वादन किया। प्रतिभागियों ने हाथों में 'नव उत्थान नई पहचान, हमारा राजस्थान बढ़ता राजस्थान' का बैनर लेकर उत्साहपूर्वक दौड़ में भाग लिया। इस दौरान घुड़सवारों ने दौड़ का नेतृत्व किया। साइकिल रैली भी दौड़ में शामिल हुई, जिसमें पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने भी साइकिल चलाकर स्वस्थ एवं फिट रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमंत कलाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, नगर परिषद आयुक्त कमलेश कुमार मीणा, जिला खेल अधिकारी मनोज कुमार शर्मा, जिला युवा अधिकारी पूनम कुमारी, विपिन जैन सहित बड़ी संख्या में युवा, स्काउट, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, शारीरिक शिक्षक, जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी दौड़ में शामिल हुए। दौड़ के सफल आयोजन में विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संगठनों, पुलिस प्रशासन एवं नगर निकाय का विशेष सहयोग रहा। स्वीप प्रभारी रामवीर सिंह चौधरी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

संसद को राजनीतिक हंगामे का अखाड़ा बना रहा विपक्ष : शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने एकबार फिर विपक्ष पर निशाना साधा। शेखावत ने कहा कि दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष संसद को चर्चा के मंच के बजाय राजनीतिक हंगामे का अखाड़ा बनाने का प्रयास करता रहा है। कागज फाड़ना, नारेबाजी करना और सदन की कार्यवाही को बाधित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। रविवार सुबह गृह जनपद पहुंचे शेखावत ने एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत की। उन्होंने कहा कि जहां तक कुछ विषयों पर हो रहे विरोध की बात है तो मुझे लगता है कि आज देश में कहीं न कहीं विरोध को एक आदत बना लिया गया है। कुछ लोग बिना विषय को समझे, बिना उसके पीछे के उद्देश्य को जाने, केवल विरोध करने के लिए विरोध कर रहे हैं। विशेष रूप से उन सुधारात्मक कदमों का विरोध किया जा रहा है, जो लोकतंत्र की रक्षा और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं। शेखावत ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा संविधान के तहत जो दायित्व निभाए जा रहे हैं, उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। इसके लिए आवश्यक निर्णय लेना चुनाव आयोग का संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है। दुर्भाग्य से कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं, जबकि उन्हें स्वयं यह स्पष्ट नहीं है कि वे विरोध क्यों कर रहे हैं? कुछ स्थानों पर ऐसे तत्व भी हो सकते हैं, जिन्हें अवैध या अनुचित रूप से मतदाता सूची में शामिल नामों से राजनीतिक लाभ मिलता रहा हो और वही लोग अब इन सुधारों का विरोध कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह भी एक विडंबना है कि जो लोग कुछ समय पहले स्वयं इन सुधारों की मांग कर रहे थे, वही आज भ्रमित मनःस्थिति में उनका विरोध कर रहे हैं। यह एक प्रकार से भ्रमग्रस्त मानसिकता का संकट है। सरकार और संवैधानिक संस्थाएं अपना कार्य पूरी प्रतिबद्धता और जिम्मेदारी के साथ कर रही हैं और आगे भी करती रहेंगी। उन्होंने कहा कि संसद में जनता अपने प्रतिनिधियों को सेवा और विमर्श के लिए भेजती है।

शेखावत ने कहा कि संसद वह स्थान है, जहां चर्चा होनी चाहिए, विचार-विमर्श होना चाहिए, सरकार की नीतियों और निर्णयों की समीक्षा होनी चाहिए। यह देखा जाना चाहिए कि योजनाएं धरातल पर कैसे उतरी हैं और उन्हें और बेहतर कैसे बनाया जा सकता है? हालांकि, यह उनका अधिकार है, लेकिन देश की जनता सब देख रही है।

जनता यह भी समझती है कि कौन संवाद और समाधान की राजनीति करना चाहता है और कौन केवल अवरोध और भ्रम की राजनीति? समय आने पर जनता अपने विवेक के अनुसार निर्णय भी करती है। सेरेंडिपिटी आर्ट्स फाउंडेशन के गोवा में आयोजित सांस्कृतिक उत्सव 'सेरेंडिपिटी' से जुड़े सवाल पर शेखावत ने कहा कि कला और संस्कृति आधारित कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिला। वहां की कला और सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों ने मुझे भीतर तक प्रभावित किया।

विकसित राजस्थान के निर्माण में युवाओं की अहम भूमिका : गर्ग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जालोर जिले में आयोजित किया जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को रन फॉर विकसित राजस्थान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित हुई दौड़ प्रतियोगिता को राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तत्पश्चात दौड़ के प्रतिभागी कलेक्ट्रेट रोड, शिवाजी नगर, आहोर चौराहा से लगभग 2 किलोमीटर का सफर तय करते हुए समापन स्थल शाह पुंजाजी गेनाजी खेल स्टेडियम पहुंचे।

इस अवसर पर जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा विभिन्न खेलों के माध्यम से जिले के युवा अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर ज़िले का नाम रोशन कर रहे हैं। जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के इमरान ने बताया कि विकसित राजस्थान कार्यक्रम के तहत संपन्न हुई दौड़ में बालक वर्ग में आर्यवीर दल हनुमान व्यायामशाला के भावेश प्रथम, सागर द्वितीय तथा वीर वीरमदेव स्पोर्ट्स अकादमी के अनिल चौधरी तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में वीर वीरमदेव स्पोर्ट्स अकादमी की निशा चौधरी प्रथम और डिंपल तृतीय स्थान पर रही।

उप्र की पिछली सरकारों ने सहकारिता क्षेत्र को 'बर्बाद' किया, इसे हमने संभाला: योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर राज्य के सहकारिता क्षेत्र को ''बर्बाद'' करने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि पिछली सरकारें ''एक जिला, एक माफिया'' पालती थीं मगर वर्तमान सरकार ''एक जिला, एक सहकारी बैंक'' की दिशा में आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने यहां आयोजित 'युवा सहकार सम्मेलन' में कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के शासन में सहकारिता विभाग की हालत बहुत खराब थी।

उन्होंने कहा, ''याद करिए कि 2017 से पहले हमारे जिला सहकारिता बैंकों की स्थिति क्या थी.... 16 बैंक ऐसे थे जो दिवालिया घोषित हो चुके थे। रिजर्व बैंक ने उनके लाइसेंस जब्त कर लिए थे लेकिन अब उत्तर प्रदेश के सहकारिता बैंक दिवालिया नहीं हैं। अब ये बैंक बीमार नहीं है, वे स्वयं तो स्वस्थ हैं ही बल्कि सहकारिता से जुड़े अपने सभी सदस्यों की और हर किसान की समृद्धि में भी योगदान दे रहे हैं।''

आदित्यनाथ ने कहा, ''अच्छी सरकार आती है तो यही होता है। पिछली सरकारें एक जिला, एक माफिया पालती थीं। सहकारिता क्षेत्र तो पिछली सरकारों के माफिया राज के कारण बर्बाद हो गया था, किसान की पूंजी फंस गई थी।''

मोदी ने डिब्रूगढ़ में 10,601 करोड़ रुपए के उर्वरक संयंत्र की आधारशिला रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

2030 तक शुरू होगी इकाई

नामरूप/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को असम के डिब्रूगढ़ जिले में 10,601 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 'ब्राउनफील्ड अमोनिया-यूरिया संयंत्र' की आधारशिला रखी और इस बात पर जोर दिया कि इससे क्षेत्र में औद्योगिक प्रगति का एक नया अध्याय शुरू होगा।

असम वैली फर्टिलाइजर एंड केमिकल कंपनी लिमिटेड (एवीएफसीसीएल) की वार्षिक यूरिया उत्पादन क्षमता 12.7 लाख मीट्रिक टन होगी और इसका संचालन 2030 में शुरू होने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी ने अपने दो दिवसीय असम दौरे के अंतिम दिन यहां ब्रह्मपुत्र वैली फर्टिलाइजर कॉर्प लिमिटेड (बीवीएफसीएल) के मौजूदा परिसर में संयंत्र की आधारशिला रखी। प्रधानमंत्री ने परियोजना का अनावरण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित किया, जहां उन्होंने उर्वरक संयंत्रों में प्रौद्योगिकी का आधुनिकीकरण नहीं करने और किसान समुदाय के हितों की रक्षा के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने इसे असम और पूरे पूर्वोत्तर के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि नामरूप और डिब्रूगढ़ का लंबे समय से प्रतीक्षित सपना साकार हो गया और इस क्षेत्र में औद्योगिक प्रगति का एक नया अध्याय शुरू हो गया है।

प्रधानमंत्री ने कहा, उर्वरक परियोजना में लगभग 11,000 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा, जिससे प्रतिवर्ष 12 लाख मीट्रिक टन से अधिक उर्वरक का उत्पादन होगा। स्थानीय स्तर पर उत्पादन होने से आपूर्ति तेज होगी और रसद लागत में कमी आएगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नामरूप संयंत्र से हजारों नये रोजगार व स्वरोजगार के अवसर सृजित होंगे और मरम्मत, आपूर्ति और अन्य संबंधित कार्यों से भी युवाओं को रोजगार मिलेगा।

मोदी ने कहा, असम का नामरूप उर्वरक संयंत्र देश के औद्योगिक विकास का प्रतीक बनेगा। यह दुखद है कि कांग्रेस ने संयंत्र के आधुनिकीकरण और किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कोई प्रयास नहीं किया। उन्होंने कहा कि नामरूप लंबे समय से उर्वरक उत्पादन का केंद्र रहा है और एक समय यहां उत्पादित उर्वरक पूर्वोत्तर के खेतों को उपजाऊ बनाता था और किसानों की फसलों को सहारा देता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आरोप लगाया, जब देश के कई हिस्सों में उर्वरक आपूर्ति एक चुनौती थी तब भी नामरूप किसानों के लिए आशा की किरण बना रहा। हालांकि, पुराने संयंत्रों की तकनीक समय के साथ अप्रचलित हो गई और कांग्रेस सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप, नामरूप संयंत्र की कई इकाइयां बंद हो गईं, जिससे पूर्वोत्तर के किसान संकट में पड़ गए और उनकी आय पर बुरा असर पड़ा।

प्रधानमंत्री ने कहा, कृषि कल्याणकारी पहलों में से एक यह भी है कि हमारे किसानों को उर्वरक की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। यह यूरिया कारखाना इस आवश्यकता को पूरा करेगा।

'विकसित भारत - जी राम जी' विधेयक का विरोध करने वाले गरीब विरोधी हैं : भाजपा नेता सरावगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष संजय सरावगी ने रविवार को 'विकसित भारत - जी राम जी' विधेयक के खिलाफ विपक्षी दलों के प्रदर्शन को ''गरीब-विरोधी'' करार दिया।

विपक्ष के विरोध के बीच संसद ने 'वीबी-जी राम जी विधेयक, 2025' को पारित किया था। इसका उद्देश्य मौजूदा ग्रामीण रोजगार कानून 'मनरेगा' को प्रतिस्थापित करना है और प्रत्येक ग्रामीण परिवार को प्रति वित्त वर्ष 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित करना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को 'विकसित भारत -जी राम जी' विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी। 'पीटीआई-वीडियो' से बात करते हुए सरावगी ने कहा, ''वीबी-जी राम जी विधेयक देश के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे, ग्रामीण भारत का विकास होगा और देश आगे बढ़ेगा। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। इसका विरोध करने वाले 'गरीब-विरोधी', 'मजदूर-विरोधी' और 'ग्रामीण-विरोधी' हैं।''

प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी में स्मारक पर असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को गुवाहाटी स्थित 'शहीद स्मारक क्षेत्र' में असम आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि दी और राज्य की प्रगति, समृद्धि तथा सांस्कृतिक गौरव सुनिश्चित करने के अपने संकल्प को दोहराया। असम आंदोलन अवैध प्रवासियों के खिलाफ था।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्मारक क्षेत्र में एक दीप के सामने पुष्पांजलि अर्पित की। यह दीप छह साल चले एवं 1985 में समाप्त हुए आंदोलन में शहीद हुए 860 लोगों की स्मृति में सदैव प्रज्वलित रहता है। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''शहीद स्मारक क्षेत्र में श्रद्धांजलि अर्पित की और शहीद प्रणाम ज्योति पर पुष्पांजलि अर्पित की। शहीद दीर्घा से गुजरना एक अत्यंत भावपूर्ण अनुभव था, जहां असम आंदोलन के दौरान प्राण न्योछावर करने वाले वीर शहीदों के साहस और बलिदान की याद ताजा हुई।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि आंदोलन के दौरान किए गए बलिदान राज्य की पहचान और सामूहिक स्मृति का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा, ''हम असम की प्रगति, समृद्धि और सांस्कृतिक गौरव के लिए अथक परिश्रम करने की अपनी प्रतिबद्धता पर अडिग हैं।'' करीब 20 मिनट के अपने दौरे के दौरान प्रधानमंत्री ने स्मारक परिसर का भ्रमण किया और शहीदों की याद में निर्मित दीर्घा को भी देखा, जहां शहीदों की आवक्ष प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। प्रधानमंत्री ने असम आंदोलन के पहले शहीद खड़गेश्वर तालुकदार की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

झांसी में प्लास्टिक फैक्टरी और गोदाम में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

झांसी (उप्र)/भाषा। झांसी जिले में प्रेमनगर के औद्योगिक क्षेत्र बिजौली में एक प्लास्टिक फैक्टरी और गोदाम में लगी आग पर करीब 10 घंटे की मशक्कत के बाद रविवार दोपहर तक काबू पाया जा सका। हालांकि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस ने बताया कि दमकलकर्मियों की कड़ी मेहनत के चलते आग को आसपास स्थित अन्य फैक्टरी तक फैलने से रोक लिया गया।

प्रेमनगर थाना प्रभारी तुलसीराम पांडेय ने बताया कि शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे इलाके के बिजौली क्षेत्र स्थित साजिद खान नामक व्यापारी के प्लास्टिक स्क्रैप फैक्टरी और गोदाम में अचानक आग लग गई जिससे वहां रखे प्लास्टिक के कबाड़ के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। उन्होंने बताया कि सूचना पाकर पहुंची दमकल विभाग की करीब चार दर्जन गाड़ियों की मदद से रविवार दोपहर तक आग पर काबू पाया लिया गया। उन्होंने बताया कि बड़ी मात्रा में प्लास्टिक का कबाड़ आदि जलने के अलावा किसी अन्य नुकसान की सूचना नहीं है और इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस के मुताबिक, क्षति का आकलन किया जा रहा है।

वास्तविक प्रगति के लिए अब सहकारिता के अलावा और कोई रास्ता नहीं : प्रभु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने सहकारिता को वर्तमान वैश्विक हालात में प्रगति का एकमात्र रास्ता करार देते हुए रविवार को कहा कि सहकारिता ही एक ऐसा माध्यम है जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को एक ही साथ विकास के रास्ते पर अग्रसर कर सकता है। पूर्व रेल मंत्री सुरेश प्रभु ने यहां 'युवा सहकार सम्मेलन' को संबोधित करते हुए वर्तमान वैश्विक हालात में विकास के लिहाज से सहकारिता क्षेत्र की संभावनाओं का जिक्र किया।

उन्होंने कहा, पूरे विश्व में सब लोग इससे चिंतित हैं कि पूंजीवाद, समाजवाद और साम्यवाद के जो ढांचे बनाये गये थे वे सभी ढांचे अभी गिर रहे हैं। अब इसमें एक ही रास्ता सबके सामने सही मायने में चलने का दिख रहा है, तो वह है सहकारिता। प्रभु ने कहा कि इसकी वजह यह है कि प्रति व्यक्ति की आय के साथ-साथ जीडीपी भी बढ़ना चाहिए तथा अगर कुछ पूंजीवादियों की आमदनी बढ़ती है तो जीडीपी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि अगर आम आदमी की भी आय उसी हिसाब से बढ़ानी है तो सहकारिता के सिवाय और कोई रास्ता नहीं है, इसीलिए सहकारिता को लेकर आज पूरे विश्व में एक चर्चा जारी है। प्रभु ने वैश्विक स्तर पर वर्तमान आर्थिक विषमता का जिक्र करते हुए कहा, अमेरिका में एलन मस्क जैसे एक व्यक्ति की आमदनी कुछ दिनों में एक हजार अरब डॉलर तक हो जाएगी। पूरे विश्व में सिर्फ 15 राष्ट्र छोड़ दें तो किसी भी अन्य राष्ट्र की जीडीपी एक हजार डॉलर की नहीं है। ऐसी विषमता दूर करनी है तो सहकारिता के सिवा हमारे पास कोई दूसरा रास्ता नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, अगर हम सहकारिता को लेकर आगे चलते हैं तो देश का भी विकास होगा, व्यक्ति का भी विकास होगा और समाज का भी विकास होगा।

'एक देश, एक कारोबारी' का एजेंडा चला रही है भाजपा : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर 'एक देश, एक कारोबारी' के एजेंडे पर काम करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार किसी न किसी बहाने से विभिन्न औद्योगिक घरानों को खत्म करके सभी आर्थिक गतिविधियों को अपने गिने-चुने लोगों के हाथों में देने के लिए आमादा है।

यादव ने कहा, ''एक देश, एक कारोबारी की ओर बढ़ता भाजपा सरकार का गोपनीय एजेंडा।'' उन्होंने इस लंबी पोस्ट में कहा, ''एक का धंधा, एक से चंदा, भाजपाई लोग इसी सिद्धांत के तहत देश के हर कारोबार को कुछेक लोगों के हाथों में ही समेट देना चाहते हैं। जिससे चंदे के लिए अलग-अलग जगह न जाना पड़े। अपने पैसों की महाभूख के लिए बाकी कमी को वो सरकार और भाजपा संगठन में बिना ना नुकुर के हामी भरने वाले चाबी के खिलौनों को बिठाकर पूरा करना जानते हैं।'' यादव ने कहा, ''किसी भी देश के लिए, किसी भी क्षेत्र में एकाधिकार की भावना घातक साबित होती है फिर वह चाहे राजनीतिक क्षेत्र हो, आर्थिक या सामाजिक वर्चस्व का क्षेत्र। आज भाजपा सरकार जिस तरह से किसी न किसी बहाने से अन्य औद्योगिक घरानों को ख़त्म करके समस्त आर्थिक गतिविधियों को अपने गिने-चुने लोगों के नियंत्रण में देने के लिए आमादा है, ये कोशिश बहुत गंभीर और ख़तरनाक परिस्थिति को जन्म देगी, जिसका अगला कदम अनियंत्रित मुनाफाखोरी व महंगाई और अंततः महा-भ्रष्टाचार होगा।''

आयकर अपीलीय अधिकरण भारत की कर न्याय प्रणाली का एक मजबूत स्तंभ : मेघवाल

लखनऊ/भाषा। केंद्रीय कानून और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को आयकर अपीलीय अधिकरण (आईटीएटी) को भारत की कर न्याय प्रणाली का एक मजबूत स्तंभ बताया और कहा कि यह संस्था दशकों से करदाताओं को निष्पक्ष, सुलभ और त्वरित न्याय प्रदान कर रहा है। मेघवाल आईटीएटी की लखनऊ पीठ के 25 साल पूरे होने पर आयोजित रजत जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। एक बयान के मुताबिक, मेघवाल ने इस अवसर पर अपने संबोधन में आईटीएटी को देश की कर-न्याय व्यवस्था का सुदृढ़ स्तंभ बताते हुए कहा कि यह संस्था दशकों से करदाताओं को निष्पक्ष, सुलभ और त्वरित न्याय प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि अधिकरण ने तकनीकी जटिलताओं से मुक्त, कम खर्चीली एवं विशेषज्ञता-आधारित न्यायिक प्रक्रिया विकसित कर लोकतंत्र में न्याय तक पहुंच को सरल बनाया है।

मेघवाल ने अधिकरण द्वारा अपनाई गई डिजिटल पहल की सराहना करते हुए कहा कि ई-सुनवाई और वीडियो कॉन्फ्रेंस जैसी व्यवस्थाओं से दूरस्थ क्षेत्रों के करदाताओं को भी समयबद्ध न्याय उपलब्ध हो रहा है। बयान के मुताबिक, आयकर अपीलीय अधिकरण की लखनऊ पीठ की स्थापना पांच मई 2000 को हुई थी तथा अगस्त 2000 में पहली सुनवाई प्रारंभ हुई। वर्तमान में लखनऊ में दो पीठ कार्यरत हैं जो उत्तर प्रदेश के 16 जिलों से संबंधित आयकर अपीलों की सुनवाई कर रही हैं। इसमें कहा गया है कि बीते 25 वर्षों में लखनऊ पीठ द्वारा 16 हजार से अधिक आयकर अपीलों का निस्तारण कर करदाताओं को न्याय प्रदान किया गया है, जबकि वर्तमान में 1592 अपीलें लंबित हैं, जिनकी नियमित सुनवाई की जा रही है।

ज्ञान की निरंतर खोज का परिणाम भारतीय सभ्यता की निरंतरता : बिहार के राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नालंदा/भाषा। बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार को कहा कि भारतीय सभ्यता की निरंतरता, ज्ञान की निरंतर खोज का परिणाम है। राज्यपाल खान प्रथम नालंदा साहित्य महोत्सव 2025 के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। खान ने कहा, भारत को हमेशा से ज्ञान-सभ्यता के रूप में माना गया है। हम ज्ञान की खोज के प्रति समर्पित रहे हैं। नालंदा साहित्य महोत्सव एक ऐसा आयोजन है, जो इस ज्ञान-अन्वेषण की भावना का प्रतीक है। नालंदा विश्वविद्यालय के सहयोग से कई संगठनों द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 25 दिसंबर को समाप्त होगा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने डिजिटल माध्यम से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उपराष्ट्रपति ने एक वीडियो संदेश में कहा, साहित्य और विज्ञान दोनों ही मानवीय प्रवृत्ति, जिज्ञासा से उत्पन्न होते हैं। इस महोत्सव का मूलमंत्र यह है कि साहित्य को विज्ञान और प्रौद्योगिकी से अलग रहने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि वे साथ-साथ चल सकते हैं।

राज्यपाल परनाइक का एनसीसी कैडेटों को संदेश : राष्ट्र सर्वोपरि की भावना को जीवन में उतारें

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के. टी. परनाइक ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों को अपने विचारों और कार्यों में ''राष्ट्र सर्वोपरि'' की भावना को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश की सही मायनों में सेवा अच्छे चरित्र, समर्पण और जिम्मेदारी की मजबूत भावना से शुरू होती है। परनाइक ने शनिवार को हिमालयन विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के दौरान एनसीसी कैडेटों से बातचीत की और युवाओं को जीवन के हर क्षेत्र में अनुशासन, अडिग संकल्प, मेहनत और स्वप्रेरणा अपनाकर अपना भाग्य खुद लिखने के लिए प्रेरित किया। इस संबंध में रविवार को जारी एक बयान में कहा गया कि राज्यपाल परनाइक ने कैडेटों से अपनी परंपराओं, संस्कृति और देश पर गर्व करने की अपील की। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे जीवन में महत्वाकांक्षा और निडरता के साथ आगे बढ़ें तथा उदाहरण पेश करें और राष्ट्रीय एकता एवं प्रगति में सार्थक योगदान दें।

बागपत में अंतरराज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़, सात गिरफ्तार

बागपत (उप्र)/भाषा। बागपत जिले में साइबर प्रकोष्ठ पुलिस ने बैंक में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, आरोपियों में पांच पुरुष और दो महिलाएं हैं, जो फर्जी कॉल सेंटर के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों में ऑनलाइन ठगी कर रहे थे। पुलिस अधीक्षक (एसपी) सूरज कुमार राय के निर्देशन में साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त फर्जी नियुक्ति पत्र और जाली एग्रीमेंट तैयार कर बैंक में नौकरी दिलाने का झांसा देते थे और इसके बदले लोगों से मोटी रकम वसूलते थे।

खेल को राजनीतिक और नौकरशाही औपचारिकताओं से ऊपर रखा जाना चाहिए : बाइचुंग भूटिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खेल को राजनीतिक और नौकरशाही औपचारिकताओं से ऊपर रखा जाना चाहिए : भूटिया

कोलकाता/भाषा। भारत के पूर्व फुटबॉल कप्तान बाइचुंग भूटिया ने रविवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में लियोनेल मेस्सी के सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान हुई अव्यवस्था को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि खेल आयोजनों को राजनीतिक और नौकरशाही औपचारिकताओं से ज्यादा प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कोलकाता में एक कार्यक्रम के बाद भूटिया ने कहा कि प्रशंसक राजनीतिक भाषणों या औपचारिक देरी के लिए नहीं बल्कि खेल और खिलाड़ियों को देखने आते हैं। उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि जब कोई खेल आयोजन होता है तो खेल को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।''

वीआईपी उपस्थिति के कारण आयोजनों में होने वाली देरी की आलोचना करते हुए भूटिया ने कहा, ''भारत में कई बार हम देखते हैं कि खेल आयोजनों में राजनीतिक भाषणों, मुख्य अतिथि से हाथ मिलाने जैसी औपचारिकताओं के कारण देरी होती है। इसकी जरूरत नहीं है। प्रशंसक और खिलाड़ी खेल देखने आते हैं इसलिए वीआईपी का इंतजार करने के बजाय खेल शुरू होना चाहिए।'' अर्जेंटीना के सुपरस्टार मेस्सी के हालिया 'जीओएटी' भारत दौरे के बारे में भूटिया ने कहा, ''यह देखकर अच्छा लगा कि सिर्फ कोलकाता ही नहीं बल्कि अलग-अलग शहरों में भी प्रशंसक केवल खेल आयोजन देखना चाहते थे। वे सिर्फ मेस्सी को देखना चाहते थे और कुछ नहीं।'' भूटिया ने उम्मीद जताई कि इस घटना से सोच में बदलाव आएगा। उन्होंने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि हम इससे सबक लेंगे और यह चलन बदलेगा।'' कोलकाता में मेस्सी के कार्यक्रम के दौरान साल्ट लेक स्टेडियम में खराब व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन की कमी के कारण अफरा-तफरी मच गई थी।

1971 की जंग लड़ने वाली सैन्य बटालियन बांग्लादेश अशांति के बीच त्रिपुरा में तैनात की गई : साहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को कहा कि 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में लड़ने वाली सेना की एक बटालियन को पड़ोसी बांग्लादेश में बढ़ती अशांति के मद्देनजर उनके राज्य में तैनात किया गया है। भाजपा के कानूनी प्रकोष्ठ के एक कार्यक्रम में साहा ने कहा, ''मैं बांग्लादेश में हो रही घटनाओं और दिल्ली पर इसके संभावित प्रभाव के बारे में जमीनी हकीकत की रिपोर्ट भेज रहा हूं। भारतीय सेना की जिस बटालियन ने मुक्ति वाहिनी को प्रशिक्षण दिया था और 1971 के युद्ध में भाग लिया था, वह अब राज्य में तैनात है।'' वर्ष 1971 के युद्ध के दौरान, भारतीय सेना की पर्वतीय डिवीजनों, विशेष रूप से 20वीं पर्वतीय डिवीजन (33वीं कोर), तथा आठवीं, छठी और चौथी पर्वतीय डिवीजन ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) मोर्चे पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। साहा ने कहा, ''लोग कह रहे हैं कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कोई सेना नहीं है। लेकिन आजकल युद्ध लड़ने के लिए भौतिक उपस्थिति की आवश्यकता नहीं है। दुश्मनों को नष्ट करने के लिए एक क्लिक ही काफी है, जैसा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान दिखाया गया।''

सुविचार

जितना हो सके खामोश रहना ही अच्छा हैं, क्योंकि सबसे ज्यादा गुनाह इंसान से उसकी जुबान ही करवाती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत की ताकत का एहसास कराएं

बांग्लादेश के मैमनसिंह शहर में कथित ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू व्यक्ति दीपूचंद्र दास को जिस बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतारा गया, वह घोर निंदनीय है। जब उग्र भीड़ का इससे भी मन नहीं भरा तो उसने शव को आग लगा दी। वहां खड़े लोग इस भयानक हत्याकांड के वीडियो बनाते रहे, सेल्फी लेते रहे और नारे लगाते रहे! कोई भी बचाने के लिए आगे नहीं आया। क्या बांग्लादेश दरिंदों का झुंड बनता जा रहा है? जो लोग एक इन्सान के साथ ऐसा सलूक कर सकते हैं, वे यकीनन इन्सान तो नहीं होंगे। इस मामले की कड़ी निंदा करते रहने से काम नहीं चलेगा। इसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर ले जाना चाहिए। बांग्लादेश में अराजकता फैल चुकी है। वहां दरिंदों का बोलबाला हो गया है। वे चाहे जिसे जिंदा छोड़ते हैं, चाहे जिसे मारते हैं। इस देश पर कठोर प्रतिबंध लगाए जाएं। इसकी अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस वोटबैंक के दबाव और भारतविरोधी सोच के कारण उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करने में पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं, लिहाजा सीमित सैन्य कार्रवाई का विकल्प खुला रखना चाहिए। दीपूचंद्र दास के साथ जो हुआ, उसे जानकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। याद करें, तीन दिसंबर, 2021 को पाकिस्तानी पंजाब के सियालकोट में एक श्रीलंकाई मैनेजर प्रियंथा कुमारा को भी ईशनिंदा के आरोप में कट्टरपंथियों ने इसी तरह मौत के घाट उतारा था। उसके बाद कई लोग उग्र भीड़ के हाथों मारे जा चुके हैं। अब बांग्लादेश भी पाकिस्तान के पदचिह्नों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। दीपूचंद्र हत्याकांड के बाद मुहम्मद यूनुस ने वही रटा-रटाया बयान जारी कर दिया, जिसके वे अभ्यस्त हो चुके हैं। अब तक दर्जनभर लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सवाल है- क्या अदालतें उन्हें सजा देने की हिम्मत दिखाएंगी? बांग्लादेश में यह चर्चा जोरों पर है कि उक्त कार्रवाई दिखावटी है। माना जा रहा है कि आरोपियों की गिरफ्तारी इसलिए की गई है, ताकि यूनुस यह दिखा सकें कि वे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बाद में मुकदमे को इतना कमजोर बनाया जा सकता है, जिससे सभी आरोपी सबूतों के अभाव में अदालत से बरी हो जाएं। बांग्लादेश में कट्टरपंथी कितने बेलगाम हो गए हैं, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 'इंकलाब मंच' के प्रवक्ता शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद उन्होंने मीडिया के दफ्तरों में तोड़फोड़ कर आग लगा दी। एक अखबार के दफ्तर में काम कर रहे 30 से ज्यादा पत्रकारों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई, अन्यथा उग्र भीड़ उन्हें जिंदा जला देती। यह कैसा उन्माद है? इस दौरान अल्पसंख्यक परिवार अपने घरों में डरे-सहमे बैठे रहे। अगर उनका कोई भी सदस्य बाहर दिख जाता तो उसके साथ क्या होता? शरीफ उस्मान हादी को हमलावरों ने गोली मारी थी, जिनके खिलाफ कार्रवाई की मांग करना न्यायसंगत है, लेकिन इसके बजाय अपने देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, आग लगाना, देशवासियों का जीवन संकट में डालना कितना सही है? क्या बांग्लादेश भस्मासुर नहीं बनता जा रहा है? इसे अनुशासित करने के लिए भारत को सख्त कदम उठाने होंगे। मुहम्मद यूनुस तक यह संदेश पहुंचाना चाहिए कि इसी दिसंबर महीने में हमने बांग्लादेश को आजाद कराया था। अगर जरूरत पड़ी तो इसका नक्शा बदल देंगे। बांग्लादेशियों को इन्सानों की तरह रहने का सलीका सिखाया जाए। भारत की धरती पर जहां कहीं अवैध बांग्लादेशी पाए जाएं, उन्हें सख्त सजा देकर निकाला जाए। हमारा देश एक बड़ी आर्थिक और सैन्य ताकत है, कोई मजाक नहीं है। ढाका को इस ताकत का एहसास कराने का वक्त आ गया है।

ट्वीटर टॉक

मनरेगा के नाम पर फिर एक बार देश को गुमराह करने की साजिश हो रही है, जबकि सच्चाई यह है कि 'विकसित भारत: जी राम जी योजना' मनरेगा से आगे का सशक्त कदम है। अब मजदूर भाइयों को 100 नहीं, 125 दिनों के काम की कानूनी गारंटी का प्रावधान है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

राजस्थान की हमारी विकासशील सरकार के दो स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर विद्याधर नगर विधानसभा के मुरलीपुरा मंडल में विकास रथ के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा जन-जन तक सरकार की उपलब्धियों को पहुंचाया गया।

-दिया कुमारी

ओ.टी.एस., जयपुर में आयोजित लखपति दीदी राज्य स्तरीय कार्यक्रम के उपरांत लखपति दीदियों से प्रेरक संवाद का अवसर मिला। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि डबल इंजन सरकार द्वारा संचालित योजनाओं से प्रदेश की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

छोटी चूक बड़ा खमियाजा

राजा अनंतदेव से भोजन करते समय थोड़ा-सा शहद टपककर ज़मीन पर गिर पड़ा। उनके मन में विचार आया कि नौकर आएगा और स्वयं साफ कर लेगा। नौकर आया तो ध्यान न जाने के कारण वह भी बिना साफ किए ही चला गया। शहद को चाटने मक्खियां आ गईं। मक्खियों को देख छिपकली ललचाई और उन्हें खाने के लिए आ पहुंची। छिपकली को मारने बिल्ली पहुंची, जो कि राजमहल में ही रहती थी। उस दिन न जाने कैसे पर राजमहल के बाहर बगीचे में घूम रहे कुत्ते वहां आ पहुंचे और बिल्ली पर टूट पड़े। बिल्ली तो किसी तरह भाग गई पर कुत्ते आपस में लड़कर घायल हो गए। कुत्तों के मालिकों को जब यह बात पता चली तो वे सब भी वहां आ पहुंचे। कुत्तों के मालिक अपने-अपने कुत्तों के पक्ष का समर्थन करने लगे और दूसरे का दोष बताने लगे। इस पर लड़ाई ठन गई। दंगइयों को मौका मिला तो सरकारी संपत्ति को लूटा और राजमहल में आग लगा दी। इतने बड़े उपद्रव का जब राजा ने कारण पूछा तो मंत्री ने जांचकर बताया कि आपके द्वारा गिराए गए शहद को साफ न करना ही इतने बड़े बवाल का कारण बना। अपनी ही असावधानी से बिगड़े किसी काम को सुधारने का मौका गंवाना नहीं चाहिए अन्यथा वह किसी भयावह घटना को जन्म दे सकता है।

सामयिक

बच्चों को दया नहीं, अधिकार चाहिए-आराम का, खेलने का, गलती करने का और अपनी गति से बढ़ने का। अब समय आ गया है कि हम होड़ से हटकर संवेदना को चुनें। शिक्षा को भय से मुक्त करें, बचपन को बोझ नहीं, संरक्षण दें। क्योंकि स्वस्थ बचपन ही स्वस्थ समाज की नींव होता है, और यदि नींव ही कमजोर होगी, तो भविष्य की इमारत कितनी भी ऊँची क्यों न हो, टिक नहीं पाएगी।

हमारी सामाजिक होड़ और बच्चों का स्वास्थ्य

डॉ. प्रियंका सौरभ

मोबाइल : 7015375570

हाल ही में 10 वर्षीय एक बच्चे की अचानक मृत्यु से जुड़ा समाचार केवल एक दुखद घटना नहीं है, बल्कि हमारे समय की सबसे गंभीर सामाजिक विडंबना का संकेत है। चिकित्सकों द्वारा बताए गए संभावित कारण-अधूरी नींद, बिना नाश्ता स्कूल जाना, भारी स्कूल बैग, होमवर्क और प्रदर्शन का मानसिक दबाव, समय पर व पौष्टिक भोजन का अभाव-एक ऐसे तंत्र की ओर इशारा करते हैं, जिसमें बचपन लगातार कुचला जा रहा है। यह घटना हमें यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि क्या हम बच्चों को बेहतर भविष्य देने की कोशिश में उनका वर्तमान छीन रहे हैं। आज का समाज उपलब्धियों की अंधी दौड़ में फँसा हुआ है। अभिभावक, शिक्षक और संस्थाएँ-सभी किसी न किसी रूप में प्रतिस्पर्धा को जीवन का मूल मंत्र मान बैठे हैं। इस प्रतिस्पर्धा का सबसे कमजोर शिकार वे बच्चे हैं, जिनकी उम्र अभी खेलने, सीखने और सहज विकास की है। चार-पाँच साल की उम्र में जब बच्चा दुनिया को समझना शुरू करता है, तब उससे अपेक्षा की जाती है कि वह तय समय पर उठे, तय पाठ्यक्रम पूरा करे, परीक्षा में अव्वल आए और भविष्य की दिशा अभी से तय कर ले। यह सोच न केवल अवैज्ञानिक है, बल्कि अमानवीय भी है।

बाल मनोविज्ञान स्पष्ट रूप से बताता है कि शुरुआती वर्षों में बच्चे का मस्तिष्क सबसे अधिक लचीला और संवेदनशील होता है। इस दौर में उस पर डाला गया दबाव उसके व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और स्वास्थ्य पर दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ता है। नींद की कमी, तनाव और भय की स्थिति में सीखने की प्रक्रिया बाधित होती है। फिर भी, हम सुबह कच्ची नींद में बच्चों को जगाते हैं, उन्हें बिना नाश्ता कराए स्कूल भेज देते हैं और उनसे उम्मीद करते हैं कि वे पूरे दिन सक्रिय और एकाग्र रहेंगे। यह उम्मीद वास्तविकता से कोसों दूर है। भारी स्कूल बैग वर्षों से चर्चा का विषय रहे हैं। सरकारी दिशा-निर्देश और न्यायालयों के आदेशों के बावजूद, आज भी छोटे बच्चे अपने वजन से अधिक बोझ कंधों पर ढोते दिखाई देते हैं। यह केवल शारीरिक समस्या नहीं है; यह मानसिक संदेश भी देता है कि शिक्षा एक बोझ है, आनंद नहीं। जब शिक्षा बोझ बन जाती है, तो बच्चे के मन में सीखने के प्रति स्वाभाविक जिज्ञासा धीरे-धीरे समाप्त होने लगती है।

होमवर्क और परीक्षा का दबाव इस समस्या को और गहरा करता है। होमवर्क का उद्देश्य कक्षा में सीखी गई बातों को दोहराना और समझ को मजबूत करना होना चाहिए, न कि बच्चे को भयभीत करना। लेकिन व्यवहार में होमवर्क अक्सर दंड का रूप ले लेता है। अधूरा रहने पर डाँट, सज़ा और तुलना-ये सब बच्चे के आत्मसम्मान को चोट पहुँचाते हैं। वह सीखने के बजाय गलती से डरने लगता है, और यही डर आगे चलकर तनाव, चिंता और अवसाद का कारण बनता है। भोजन और दिनचर्या भी बच्चों के स्वास्थ्य में अहम भूमिका निभाते हैं। स्कूल में समय पर और पौष्टिक भोजन न मिलना, ठंडा लंच खाने की मजबूरी, और घर लौटते ही बिना आराम नहाने व पढ़ने का दबाव-यह सब बच्चे के शरीर की प्राकृतिक जरूरतों की अनदेखी है। शरीर और मन को विश्राम की आवश्यकता होती है। बिना विश्राम के लगातार गतिविधि बच्चे की सहनशीलता को तोड़ देती है।

यह सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम बच्चों से आखिर चाहते क्या हैं। क्या हम उन्हें खुश, स्वस्थ और संवेदनशील इंसान बनाना चाहते हैं, या केवल अंक और पदवी हासिल करने वाली मशीन? जब अभिभावक अपने बच्चे को दूसरों से तुलना करते हैं-फलाँ का बच्चा यह कर रहा है, तुम क्यों नहीं-तो वे अनजाने में उसके मन में हीन भावना भर देते हैं। यह तुलना सामाजिक होड़ को जन्म देती है, जिसमें हर कोई आगे निकलने की कोशिश करता है, चाहे उसकी कीमत बच्चे का बचपन ही क्यों न हो। शिक्षा व्यवस्था को भी इस संदर्भ में आत्ममंथन करना होगा। स्कूल केवल पाठ्यक्रम पूरा करने की फैक्ट्री नहीं हैं; वे समाज निर्माण की प्रयोगशालाएँ हैं। यदि स्कूलों में खेल, कला, संवाद और रचनात्मक गतिविधियों के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है, तो शिक्षा अधूरी है। शिक्षक बच्चों के लिए केवल ज्ञानदाता नहीं, मार्गदर्शक और संरक्षक भी होते हैं। अनुशासन के नाम पर भय का वातावरण बनाना शिक्षा के मूल उद्देश्य के विपरीत है।

नीतिगत स्तर पर सरकार और प्रशासन की भूमिका भी अहम है। स्कूल बैग का वजन, स्कूल समय, होमवर्क की मात्रा और प्रारंभिक कक्षाओं में परीक्षा प्रणाली-इन सब पर स्पष्ट और सख्त दिशा-निर्देशों की आवश्यकता है। साथ ही, इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी निगरानी तंत्र भी होना चाहिए। बच्चों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, काउंसलिंग सेवाएँ और पोषण कार्यक्रम शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनने चाहिए। अभिभावकों के लिए सबसे बड़ा प्रश्न आत्मचिंतन का है। अपनी शिक्षा-यात्रा को याद करना जरूरी है-हमने कब स्कूल जाना शुरू किया, कैसे सीखा, कितनी जगह खेल और मित्रता को मिली। क्या हम सचमुच आज के बच्चों से अधिक सक्षम थे, या हमें सीखने के लिए अधिक समय और स्वतंत्रता मिली थी? यदि हमने संघर्ष किया और आगे बढ़े, तो यह मान लेना कि हमारे बच्चे भी वही रास्ता अपनाएँ, जरूरी नहीं। हर पीढ़ी की चुनौतियाँ और जरूरतें अलग होती हैं।

यह भी समझना होगा कि सफलता का अर्थ केवल ऊँचा पद या अधिक वेतन नहीं है। एक संतुलित, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनना भी सफलता है। यदि बच्चा मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं है, तो उसकी उपलब्धियाँ खोखली हैं। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि हर बच्चा एक जैसा नहीं होता-उसकी रुचियाँ, क्षमताएँ और गति अलग-अलग होती हैं। शिक्षा का उद्देश्य इन भिन्नताओं को सम्मान देना होना चाहिए, न कि उन्हें कुचल देना। मीडिया और सामाजिक विमर्श की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। जब केवल टॉपर्स, रैंक और रिकॉर्ड की बातें होती हैं, तो अप्रत्यक्ष रूप से दबाव का माहौल बनता है। हमें उन कहानियों को भी जगह देनी चाहिए, जहाँ बच्चों ने खेल, कला, सेवा और मानवीय मूल्यों के माध्यम से जीवन को अर्थ दिया। इससे समाज का दृष्टिकोण संतुलित होगा। अंततः, यह प्रश्न हमारे सामने खड़ा है-क्या हम सचमुच बच्चों का भविष्य संवार रहे हैं, या अपने अहंकार और असुरक्षा को उनके कंधों पर लाद रहे हैं? यदि किसी उपलब्धि की कीमत बच्चे की सेहत, मुस्कान और जीवन है, तो वह उपलब्धि नहीं, विफलता है। बच्चों को दया नहीं, अधिकार चाहिए-आराम का, खेलने का, गलती करने का और अपनी गति से बढ़ने का। अब समय आ गया है कि हम होड़ से हटकर संवेदना को चुनें। शिक्षा को भय से मुक्त करें, बचपन को बोझ नहीं, संरक्षण दें। क्योंकि स्वस्थ बचपन ही स्वस्थ समाज की नींव होता है, और यदि नींव ही कमजोर होगी, तो भविष्य की इमारत कितनी भी ऊँची क्यों न हो, टिक नहीं पाएगी।

नजरिया

गणित को अनुभूति बनाने वाले श्रीनिवास रामानुजन

भारतीय गणित की महान् परम्परा के वाहक श्रीनिवास रामानुजन को 'गणितज्ञों का गणितज्ञ' और संख्या सिद्धांत पर अद्भुत कार्य के लिए संख्याओं का जादूगर' भी कहा जाता है, जिन्होंने खुद से गणित सीखा और जीवनभर में गणित के 3884 प्रमेयों (थ्योरम्स) का संकलन किया, जिनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किए जा चुके हैं। रामानुजन ने गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रृंखला, संख्या सिद्धांत तथा निरंतर भिन्न अंशों के लिए आश्चर्यजनक योगदान दिया और अनेक समीकरण व सूत्र भी पेश किए।

योगेश कुमार गोयल

भारत में प्रतिवर्ष 22 दिसम्बर को 'राष्ट्रीय गणित दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस भारतीय गणित की गौरवशाली परंपरा और विश्वविख्यात गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के उद्देश्य से उनके जन्मदिवस पर मनाया जाता है। यह केवल एक स्मृति-दिवस नहीं बल्कि गणित जैसे बौद्धिक अनुशासन के प्रति समाज में सम्मान, जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टि को सुदृढ़ करने का राष्ट्रीय प्रयास है। राष्ट्रीय गणित दिवस की औपचारिक घोषणा वर्ष 2012 में रामानुजन की 125वीं जयंती के अवसर पर की गई थी। चेन्नई में आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने रामानुजन को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा था कि ऐसे विलक्षण प्रतिभावान और गूढ़ ज्ञान से युक्त व्यक्तित्वों का जन्म समाज में बहुत कम होता है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि रामानुजन की प्रतिभा न केवल गणित के क्षेत्र में बल्कि मानव बौद्धिक क्षमता की सीमाओं को समझने में भी एक प्रेरक उदाहरण है। उसी अवसर पर यह निर्णय लिया गया कि रामानुजन के जन्मदिवस को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय गणित दिवस' के रूप में मनाया जाएगा ताकि देश की युवा पीढ़ी गणित से भय के बजाय आकर्षण और नवाचार का संबंध विकसित कर सके। इस दिवस का उद्देश्य गणितीय सोच को बढ़ावा देना, अनुसंधान को प्रोत्साहित करना और यह संदेश देना है कि गणित केवल अंकों का खेल नहीं बल्कि विज्ञान, तकनीक और राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला है।

मद्रास से करीब चार सौ किलोमीटर दूर तमिलनाडु के ईरोड शहर में 22 दिसम्बर 1887 को जन्मे श्रीनिवास अयंगर रामानुजन का बचपन कठिनाइयों और निर्धनता के दौर में बीता था। तीन वर्ष की आयु तक वह बोलना भी नहीं सीख पाए थे और तब परिवार के लोगों को चिंता होने लगी थी कि कहीं वह गूंगे न हों लेकिन कौन जानता था कि यही बालक गणित के क्षेत्र में इतना महान कार्य करेगा कि सदियों तक दुनिया उन्हें आदर-सम्मान के साथ याद रखेगी। उन्हें गणित में इतनी दिलचस्पी थी कि गणित में उन्हें प्रायः सौ फीसदी अंक मिलते थे लेकिन बाकी विषयों में बामुश्किल ही परीक्षा उत्तीर्ण कर पाते थे क्योंकि गणित के अलावा उनका मन दूसरे विषयों में नहीं लगता था। उन्होंने कभी गणित में किसी तरह का प्रशिक्षण नहीं लिया था।

गणित में अतुलनीय योगदान के लिए श्रीनिवास रामानुजन को के. रंगनाथ राव पुरस्कार भी दिया गया था। उनका गणित प्रेम इतना बढ़ गया था कि उन्होंने दूसरे विषयों पर ध्यान देना ही छोड़ दिया था। दूसरे विषयों की कक्षाओं में भी वे गणित के ही प्रश्नों को हल किया करते थे। नतीजा यह हुआ कि 11वीं कक्षा की परीक्षा में वे गणित के अलावा दूसरे सभी विषयों में अनुत्तीर्ण हो गए और इस कारण उन्हें मिलने वाली छात्रवृत्ति बंद हो गई। परिवार की आर्थिक हालत पहले ही ठीक नहीं थी, इसलिए परिवार की आर्थिक जरूरतें पूरी करने के लिए उन्होंने गणितज्ञ रामास्वामी अय्यर के सहयोग से मद्रास पोर्ट ट्रस्ट में क्लर्क की नौकरी करनी शुरू की। नौकरी के दौरान भी वे समय मिलते ही खाली पन्नों पर गणित के प्रश्नों को हल करने लग जाया करते थे।

एक दिन एक ब्रिटिश की नजर उनके द्वारा हल किए गए गणित के प्रश्नों पर पड़ी तो वह उनकी प्रतिभा से बहुत प्रभावित हुआ। उसी अंग्रेज के माध्यम से रामानुजन का सम्पर्क जाने-माने ब्रिटिश गणितज्ञ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जी एच हार्डी से हुआ। हार्डी ने उनकी विलक्षण प्रतिभा को भांपकर उन्हें अपनी प्रतिभा को साकार करने के लिए लंदन बुला लिया और उनके लिए कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में व्यवस्था की, जिसके बाद उनकी ख्याति दुनियाभर में फैल गई। जी. एस. हार्डी ने रामानुजन को यूलर, गोस, आर्किमिडीज, आईजैक न्यूटन जैसे दिग्गजों के समकक्ष श्रेणी में रखा था। 1917 में उन्हें लंदन मैथेमेटिकल सोसायटी' का सदस्य चुना गया और अगले ही वर्ष इंग्लैंड की प्रतिष्ठित संस्था रॉयल सोसायटी' ने उन्हें अपना फैलो बनाकर सम्मान दिया। रामानुजन ने करीब पांच साल कैम्ब्रिज में बिताए और उस दौरान गणित से संबंधित कई शोधपत्र लिखे। इंग्लैंड में उन पांच वर्षों के दौरान उन्होंने मुख्यतः संख्या सिद्धांत के क्षेत्र में कार्य किया। प्रोफेसर जी एच हार्डी के साथ मिलकर रामानुजन ने कई शोधपत्र प्रकाशित किए और उन्हीं में से एक विशेष शोध के लिए कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने रामानुजन को बी.ए. की उपाधि भी प्रदान दी। महान गणितज्ञ रामानुजन की गणना आधुनिक भारत के उन व्यक्तित्वों में की जाती है, जिन्होंने विश्व में नए ज्ञान को पाने और खोजने की पहल की।

भारतीय गणित की महान परम्परा के वाहक श्रीनिवास रामानुजन को 'गणितज्ञों का गणितज्ञ' और संख्या सिद्धांत पर अद्भुत कार्य के लिए संख्याओं का जादूगर' भी कहा जाता है, जिन्होंने खुद से गणित सीखा और जीवनभर में गणित के 3884 प्रमेयों (थ्योरम्स) का संकलन किया, जिनमें से अधिकांश प्रमेय सही सिद्ध किए जा चुके हैं। रामानुजन ने गणितीय विश्लेषण, अनंत श्रृंखला, संख्या सिद्धांत तथा निरंतर भिन्न अंशों के लिए आश्चर्यजनक योगदान दिया और अनेक समीकरण व सूत्र भी पेश किए। वे ऐसे विश्वविख्यात गणितज्ञ थे, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों और विषय गणित की शाखाओं में अविस्मरणीय योगदान दिया और जिनके प्रयासों तथा योगदान ने गणित को एक नया अर्थ दिया। उनके द्वारा की गई खोज रामानुजन थीटा' तथा रामानुजन प्राइम' ने इस विषय पर आगे के शोध और विकास के लिए दुनियाभर के शोधकर्ताओं को प्रेरित किया। बहरहाल, राष्ट्रीय गणित दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि सीमित संसाधनों और औपचारिक प्रशिक्षण के अभाव में भी भारतीय प्रतिभा विश्व को नई दिशा दे सकती है, जैसा कि रामानुजन ने अपने जीवन और कार्य से सिद्ध किया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

वाजपेयी ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटल प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक भारत को गढ़ा : उपराष्ट्रपति

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनके सशक्त नेतृत्व, सुशासन और सैद्धांतिक दृढ़ता के लिए याद करते हुए उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि वाजपेयी ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटल प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक भारत को आकार दिया। राधाकृष्णन ने इंदौर में अटल बिहारी वाजपेयी जन्म शताब्दी समारोह में कहा,अटलजी एक विराट व्यक्तित्व थे जिन्होंने सत्यनिष्ठा, बौद्धिकता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अटल प्रतिबद्धता के साथ आधुनिक भारत को आकार दिया। उन्होंने कहा कि वाजपेयी की महान विरासत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं और वह वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में दृढ़ता से अग्रसर हैं।

मध्यप्रदेश के ग्वालियर में 25 दिसंबर 1924 को जन्मे वाजपेयी की जयंती 'सुशासन दिवस' के रूप में मनाई जाती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि वाजपेयी हमेशा संवाद, समावेशी विकास और सशक्त, लेकिन मानवीय शासन में विश्वास रखते थे। उन्होंने कहा कि वाजपेयी के आदर्श आज भी देश को प्रेरित करते हैं और वह आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक प्रकाशपुंज की तरह हैं। राधाकृष्णन ने कहा कि वाजपेयी ने सांसद, कवि और प्रधानमंत्री के रूप में शालीनता और गरिमा के साथ सार्वजनिक विमर्श को ऊंचाई प्रदान की। उन्होंने कहा,''अटलजी ने साबित कर दिखाया कि राजनीति सिद्धांतनिष्ठ और करुणामयी हो सकती है। एक सशक्त, आत्मविश्वास से भरे और वैश्विक स्तर पर सम्मानित भारत को लेकर उनका दृष्टिकोण आज भी हमारी राष्ट्रीय विकास यात्रा का मार्गदर्शन करता है।''

राधाकृष्णन ने वाजपेयी से उनकी मुलाकातों के अलग-अलग संस्मरण सुनाते हुए कहा कि उनका राजनीतिक दर्शन पूर्व प्रधानमंत्री के सान्निध्य और उनके साथ हुए संवाद से प्रभावित रहा है। उन्होंने वर्ष 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण और 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान प्रधानमंत्री के रूप में वाजपेयी की दृढ़ता का उल्लेख किया और कहा कि वह अपने नाम की तरह सदैव 'अटल' रहे और सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया।

मल्लिका शेरावत ने व्हाइट हाउस में मनाया क्रिसमस का जश्न

मुंबई/एजेन्सी

दिसंबर का महीना आते ही दुनियाभर में क्रिसमस की रौनक छा जाती है। कड़कड़ाती ठंड के साथ-साथ उत्सव का नजारा हर जगह पर देखने को मिलता है। भारत में भी इसकी तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन विदेशों में तैयारी के साथ-साथ जश्न की शुरुआत हो चुकी है। ऐसा ही कुछ नजारा अमेरिका के व्हाइट हाउस में देखने को मिला। दरअसल, हाल ही में व्हाइट हाउस में क्रिसमस पार्टी का आयोजन किया गया था। इसी उत्सव में बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने भी शिरकत की थी। अभिनेत्री ने इस खास अवसर की कुछ झलकियां अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कीं। तस्वीरों में वे व्हाइट हाउस की भव्य सजावट के बीच मुस्कराती दिख रही हैं।

अभिनेत्री ने पोस्ट में लिखा, व्हाइट हाउस क्रिसमस डिनर के लिए आमंत्रित होना बिल्कुल अवास्तविक लगता है। मैं बहुत आभारी महसूस कर रही हूं। अभिनेत्री की पोस्ट फैंस को काफी पसंद आ रही है। वे उनकी तारीफ कर रहे हैं। 25 दिसंबर को क्रिसमस फेस्टिवल मनाया जाता है। यह एक ईसाई त्योहार है, जो यीशु मसीह के जन्मदिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, और अब यह दुनिया भर में एक सांस्कृतिक उत्सव के तौर पर मनाया जाने लगा है। इस दिन लोग क्रिसमस ट्री सजाते हैं और उपहारों का आदान-प्रदान करते हैं। अभिनेत्री भारतीय सिनेमा में अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने भारत समेत विदेशों में भी अपने अभिनय का परचम लहराया है। मल्लिका शेरावत ने ग्लोबल सुपरस्टार ब्रूनो मार्स के साथ म्यूजिक वीडियो में कैमियो रोल निभाया था।

क्रिसमस

नादिया में 'क्रिसमस' त्योहार से पहले एक बाजार में प्रदर्शित सांता क्लॉज की मूर्ति को निहारता एक बच्चा।

इमरान खान ने 17 साल कैद की सजा के बाद देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया

इस्लामाबाद/भाष

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भ्रष्टाचार के एक मामले में उन्हें और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को 17 साल कैद की सजा सुनाए जाने के बाद अपने समर्थकों से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन के लिए तैयार रहने का आग्रह किया। 'तोशाखाना 2' भ्रष्टाचार मामले में खान और उनकी पत्नी बुशरा को शनिवार को एक अदालत ने 17-17 साल जेल की सजा सुनाई।

तिहत्तर वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। अप्रैल 2022 में सत्ता से बाहर होने के बाद से उनके खिलाफ कई मामले दर्ज किए गए हैं। 'तोशाखाना 2' मामले में दंपति पर 2021 में सऊदी सरकार से मिले राजकीय उपहारों के संबंध में धोखाधड़ी करने का आरोप है। खान के 'एक्स' पर आधी रात को पोस्ट किए गए एक बयान के अनुसार, ''सैन्य शैली में आए मुकदमे के फैसले'' के बाद अडियाला जेल में अपने वकीलों के साथ बातचीत में, खान ने अपने समर्थकों से फैसले के बाद विरोध प्रदर्शन करने का आग्रह किया।

यह पता नहीं चल पाया है कि जेल में रहने की वजह से खान के सोशल मीडिया हैंडल तक पहुंच न होने के चलते उनकी बातचीत को उनके निजी खाते पर किसने पोस्ट किया। उन्होंने कहा, मैंने (खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री) सोहेल अफरीदी को सड़क पर आंदोलन की तैयारी करने का संदेश भेजा है। पूरे देश को अपने अधिकारों के लिए उठ खड़ा होना होगा।

खान ने कहा, संघर्ष ही इबादत है, और मैं पाकिस्तान की सच्ची आजादी के लिए शहादत को गले लगाने के लिए भी तैयार हूं। उन्होंने कहा कि नवीनतम फैसला उनके लिए कोई हैरत की बात नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी कानूनी टीम से इस फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करने का अनुरोध किया।

खान ने कहा, पिछले तीन वर्षों के निराधार निर्णयों और सजाओं की तरह, तोशाखाना-दो का फैसला भी मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। यह फैसला न्यायाधीश ने बिना किसी सबूत के और कानूनी आवश्यकताओं को पूरा किए बिना जल्दबाजी में दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी कानूनी टीम की बात तो सुनी तक नहीं गई। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, कानून की सर्वोच्चता स्थापित करने और संविधान को बहाल करने के संघर्ष के लिए 'इंसाफ लॉयर्स फोरम' और अधिवक्ता मोर्चे का आगे आना आवश्यक है। केवल न्याय व्यवस्था ही जनता की रक्षा कर सकती है। इसके बिना न तो आर्थिक प्रगति संभव है और न ही नैतिक विकास। उन्होंने अपनी हिरासत के लिए सेना के नेतृत्व पर भी निशाना साधा, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि ''फौज मेरी है'', जिससे सशस्त्र बलों के शीर्ष नेतृत्व पर हमला करते हुए सेना का समर्थन हासिल करने का उनका प्रयास स्पष्ट होता है।

खान ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें और उनकी पत्नी को ''लगातार एकांत कारावास में रखकर मानसिक यातना दी जा रही है।'' उन्होंने आरोप लगाया, हमारी किताबों, टीवी और मुलाकातों पर प्रतिबंध है। जेल में हर कैदी टीवी देख सकता है, लेकिन मेरे और बीबी बुशरा के लिए टीवी देखना भी प्रतिबंधित है।

तोशाखाना मंत्रिमंडल विभाग के तहत आने वाला एक विभाग है जो विदेशी सरकारों के प्रमुखों और विदेशी गणमान्य व्यक्तियों द्वारा पाकिस्तान के शासकों और सरकारी अधिकारियों को दिए गए उपहारों का संग्रह करता है। उपहारों के एक बार जमा हो जाने के बाद इन्हें उचित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करते हुए वापस खरीदा जा सकता है।

गरीबी में हुआ जन्म और राजनीति ने खत्म किया गोविंदा का फिल्मी कैरियर सफर

मुंबई/एजेन्सी

80 के दशक में कई बड़े हीरो ने पर्दे पर अपने एक्शन और लुक्स से दर्शकों का दिल जीता, लेकिन 1980 में जब पहली बार गोविंदा ने सिनेमा के पर्दे पर एंट्री ली, तो देखते ही देखते दर्शकों के दिलोदिमाग पर छा गए। अभिनेता ने अपने करियर के पीक पर साल में 15-15 फिल्में साइन की, लेकिन उनकी शुरुआती जिंदगी और करियर दोनों संघर्ष से भरे थे। अभिनेता रविवार को अपना 62वां जन्मदिन मनाएंगे। हिम्मत और मेहनत के जरिए इंसान पहाड़ को भी झुका सकता है, इस कहावत को गोविंदा ने सार्थक किया। अभिनेता का जन्म गरीबी में हुआ, जब उनके परिवार और पिता हवेली से चॉल में शिफ्ट हुए। अभिनेता के पिता अरुण आहूजा 1940 के दशक के अभिनेता थे जिन्होंने 'औरत' और 'एक ही रास्ता' जैसी फिल्मों में काम किया था। अभिनेता के पिता ने फिल्में प्रोड्यूस की और यही कारण था जिसकी वजह से वे अपने परिवार के साथ चॉल में शिफ्ट हुए। अभिनेता की फिल्में डूबने लगीं और उनका करियर भी। इन्हीं दुख और परेशानी के समय गोविंदा का जन्म हुआ।

गोविंदा को उनके घर में प्यार से 'चीची' बुलाते हैं। ये प्यारा नाम उनकी मां ने उन्हें दिया क्योंकि वे घर में सबसे छोटे थे। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता की मां का मानना था कि वे भगवान श्री कृष्ण की तरह सारी परेशानी को सबसे छोटी उंगली पर उठा लेंगे और वैसा ही हुआ। अपने परिवार को गरीबी से निकालने में गोविंदा का बड़ा हाथ रहा। करियर की शुरुआत में अभिनेता को एक्टर बनना था लेकिन उनसे डांस सीखने के लिए कहा गया। जावेद जाफरी के शो 'बूगी-वूगी' में अभिनेता ने खुलासा किया था कि उन्हें जावेद जाफरी का वीडियो दिखाकर डांस सीखने की सलाह दी गई थी और उनके वीडियो देखकर ही उन्होंने शुरू में डांस सीखा था, लेकिन बाद में कोरियोग्राफर सरोज खान ने उन्हें डांस की तालीम दी।

1986 में आई फिल्म 'इल्जाम' से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की, लेकिन साल 1990 का दशक अभिनेता का बेहतरीन साल रहा क्योंकि उनकी बैक टू बैक कई फिल्में रिलीज हुईं। इसे उनके करियर का स्वर्णिम काल कहा गया। उनकी 'हीरो नंबर 1', 'साजन चले ससुराल', 'राजा बाबू', और 'कुली नंबर 1' जैसी फिल्में सुपरहिट हुईं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अपने सफल करियर के समय अभिनेता एक फिल्म का 1 करोड़ रुपये चार्ज करते थे। साल 2004 में अभिनेता ने राजनीति में कदम रखा। वे कांग्रेस में शामिल हुए और नॉर्थ मुंबई से चुनाव जीता और इसके बाद फिल्मी करियर में गिरावट का दौर शुरू हो गया। अभिनेता ने खुद स्वीकारा कि राजनीति में आने की वजह से उन्होंने फिल्मों से दूरी बना ली और पार्टी के कुछ राजनेता ही उनके दुश्मन बन गए थे। अभिनेता ने ये तक कहा था कि उनकी फिल्मों को राजनेताओं के जरिए रिलीज होने से रोका गया।

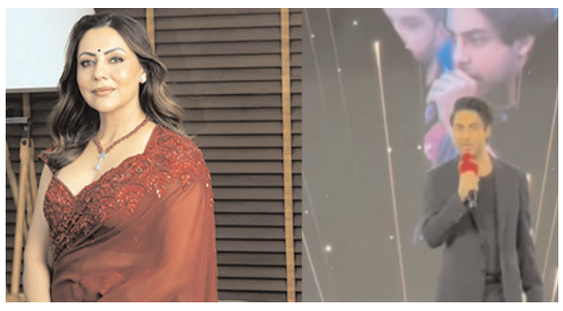

बेटे को पहला अवॉर्ड मिलने से हैं बेहद खुश है गौरी खान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के किंग शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने अपना फिल्मी करियर शुरू कर दिया है, लेकिन एक्टर के तौर पर नहीं बल्कि डायरेक्टर के तौर पर। उनकी ओटीटी सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' के लिए उन्हें बेस्ट डेब्यू डायरेक्टर का खिताब मिला है। बेटे की सफलता पर गौरी खान भी बेहद खुश हैं और उन्होंने आर्यन के लिए कुछ बड़ा और स्पेशल डिजाइन करने का वादा किया है। गौरी खान ने इंस्टाग्राम पर दो पोस्ट शेयर किए हैं, जिनमें से एक में आर्यन खान की अवॉर्ड लेते हुए स्पीच है। स्पीच में आर्यन खान कहते हैं, यह मेरा पहला अवॉर्ड है, और मुझे उम्मीद है कि मैं आगे भी ऐसे ही अवॉर्ड जीतते रहूंगा क्योंकि अपने पिता की तरह मुझे भी अवॉर्ड बहुत पसंद हैं, लेकिन ये अवॉर्ड मेरे पिता के लिए नहीं, बल्कि मेरी मां के लिए है। उन्होंने आगे कहा, मेरी मां ने मुझसे हमेशा कहा है, 'जल्दी सोना, लोगों का मजाक नहीं उड़ाना, और गाली मत देना,' और इन्हीं तीन चीजों के लिए मुझे अवॉर्ड मिला है, और मुझे उम्मीद है कि घर जाकर मुझे कम डांट पड़ेगी।

आर्यन की स्पीच में उनका सेंस ऑफ ह्यूमर बिल्कुल शाहरुख खान के जैसा दिखा। वीडियो को शेयर कर गौरी ने लिखा, मुझे सबसे खुशनसीब और गौरवान्वित महसूस कराने के लिए शुक्रिया। अब तुम्हारे इन अवॉर्ड के लिए नया केबिन डिजाइन करना पड़ेगा। बता दें कि गौरी खान खुद का डिजाइनिंग स्टूडियो चलाती है और अपने बड़े-बड़े स्टार्स और बिजनेसमैन के घर और छतों को डिजाइन करती है। उन्होंने गौरी खान डिजाइन्स की नींव साल 2013 में रखी थी। उन्होंने सिद्धार्थ मल्होत्रा का घर, जैकलीन फर्नांडीज का अपार्टमेंट, ऋतिक रोशन का घर और छत, नीता अंबानी के घर एंटीलिया में बार लाउंज, करण जौहर का डुप्लेक्स और रणबीर कपूर और आलिया भट्ट का घर डिजाइन किया है। गौरी ने हाल ही में अपने घर 'मन्नत' को भी री-डिजाइन करवाया था और वे अपने बेटे के लिए खास जगह डिजाइन करना चाहती हैं। बेटे को आगे बढ़ते देखना हर मां के लिए गर्व की बात होती है। आर्यन खान अपने पिता शाहरुख खान की विरासत को आगे ले जा रहे हैं। शाहरुख की बेटी सुहाना खान भी फिल्मों में कदम रख चुकी हैं। उनकी ओटीटी रिलीज सीरीज 'द आर्चीज' 2023 में रिलीज हो चुकी है।

विरोध

कांग्रेस कार्यकर्ता महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 का नाम बदलने के केंद्र के फैसले के खिलाफ भोपाल में विरोध प्रदर्शन करते हुए।

जाह्नवी कपूर को मिला 'होमबाउंड' के लिए एक्टर ऑफ द ईयर अवॉर्ड

मुंबई/एजेन्सी

जाह्नवी कपूर को हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक प्रतिष्ठित समारोह में उनकी ऑस्कर नॉमिनेटेड फिल्म 'होमबाउंड' के लिए एक्टर ऑफ द ईयर (फीमेल) के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। फिल्म समीक्षकों से भरपूर सराहना बटोरने के बाद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल कर चुकी इस फिल्म के लिए जान्हवी कपूर को मिला यह सम्मान उनके अभिनय करियर में न सिर्फ एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है, बल्कि ग्लोबल सिनेमा में जाह्नवी की मजबूत की मौजूदगी को और पुख्ता करती है। फिलहाल अवॉर्ड जीतने के बाद जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए लिखा है, इस बेहद खास फिल्म के सफर में मैंने बहुत कुछ सीखा, लेकिन जो सबसे ख़ास बात मुझे लगी वो है कि किसी को भी जज करने से पहले हम अपने पूर्वाग्रहों के बोझ से निकलें और वे जैसे हैं, उन्हें उसी तरह देखें। हालांकि मैं दूसरों से भी यही उम्मीद करती हूँ कि मेरे बारे में कोई भी पूर्वाग्रह रखने या राय बनाने से पहले वे स्थिति का सही आकलन करें। मैं समझती हूँ यही एक ऐसा उपहार है, जो हम बतौर इंसान एक-दूसरे को दे सकते हैं। गौरतलब है कि अपनी भावनाएं व्यक्त करने और अपने अभिनय को मिले इस ख़ास पहचान के लिए उन्होंने छऊद्धत को भी धन्यवाद दिया है। 'होमबाउंड' को इसकी संवेदनशील कहानी और भावनात्मक रूप से गहराई लिए हुए अभिनय के लिए काफी सराहा गया है। विशेष रूप से जाह्नवी कपूर का अभिनय अपनी सादगी, संयम और सच्चाई के लिए चर्चा में बना हुआ है। इसके अलावा दर्शकों और समीक्षकों ने जहां उनके प्रदर्शन की जमकर तारीफ की है, वहीं कई लोगों ने उनके किरदार को फिल्म की भावनात्मक रीढ़ बताया है।

साथ ही अब जब फिल्म को ऑस्कर के लिए नॉमिनेट कर लिया गया है, तो फिल्म की प्रतिष्ठा और ऊंचाई पर पहुँच गई है और जान्हवी को मिला यह अवॉर्ड और खास बन गया है। फिलहाल इस ख़ास फिल्म के लिए अपनी पोस्ट में जाह्नवी कपूर ने निर्देशक नीरज घेवान के प्रति भी आभार जताते हुए उन्हें प्यार से सबसे बेहतरीन निर्देशक और ह्यूमन टेडी कहा है। अपनी पोस्ट के ज़रिए जान्हवी ने यह भी बताया है कि 'होमबाउंड' को भारत में मिला ये पहला अवॉर्ड है। हालांकि इन दिनों नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही फिल्म 'होमबाउंड' के लिए जान्हवी को मिला यह सम्मान न सिर्फ उनके अभिनय करियर सफर को और मजबूत करता है, बल्कि भारतीय और अंतरराष्ट्रीय सिनेमा, दोनों में अपनी एक भरोसेमंद और अर्थपूर्ण पहचान बनाने में कारगर भूमिका भी निभा रहा है।

कंगना ने देखी 'धुरंधर' मूवी, आदित्य धर की जमकर की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

बॉक्स ऑफिस पर आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' की आंधी 15वें दिन भी जारी है। फिल्म ने घरेलू स्तर पर 503 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है और वैश्विक स्तर पर आंकड़ा 700 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म हर किसी के दिलों पर राज कर रही है। इसी बीच, अभिनेत्री व लोकसभा सदस्य कंगना रनौत ने भी इस फिल्म को देखा है। उन्होंने फिल्म के निर्माता और निर्देशक आदित्य धर की जमकर तारीफ की है। अभिनेत्री ने फिल्म को मास्टरपीस बताया है। कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फिल्म की तारीफ की है, और फिल्म की तारीफ करने का तरीका भी अनोखा है। कंगना ने पोस्ट पर लिखा, मैंने धुरंधर देखी और फिल्म को देखते हुए बहुत मजा आया, लेकिन ये साधारण फिल्म नहीं, मास्टरपीस है। फिल्ममेकर्स को ढेर सारा सम्मान है।''

उन्होंने आगे लिखा, मजा आ गया फिल्म देखकर। फिल्म के लिए ढेर सारी बधाइयां। सभी ने फिल्म में अच्छा काम किया है, लेकिन असली धुरंधर आदित्य धर हैं। बता दें कि आदित्य धर देशभक्ति से जुड़ी फिल्मों के लिए ही जाने जाते हैं। उनकी 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' पहली निर्देशित फिल्म थी, जिसकी वजह से विक्की कौशल और उनका, दोनों का करियर चल निकला था।

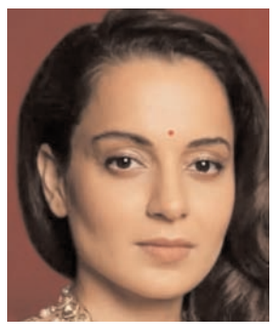

जिसके बाद उन्होंने 'आर्टिकल 370' और 'बारामूला' जैसी फिल्में बनाई, लेकिन अभिनेता का ड्रीम प्रोजेक्ट माइथोलॉजिकल 'द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा' अभी भी ठंडे बस्ते में है। साल 2021 में फिल्म की अनाउंसमेंट हुई, लेकिन बजट इतना बड़ा था कि फिल्म को अभी तक शुरू नहीं किया गया है। ये फिल्म महाभारत के द्रोणाचार्य के पुत्र और योद्धा अश्वत्थामा की मुक्ति और अमरता की कहानी पर आधारित होनी थी, लेकिन साल 2021 से लेकर अब तक फिल्म को लेकर कोई अपडेट सामने नहीं आई है। बात अगर फिल्म 'धुरंधर' की करें तो इसे बनाने के लिए भी आदित्य ने बहुत मेहनत की है। 2 साल की रिसर्च और तकरीबन 280 करोड़ के बजट के साथ फिल्म को बनाना आसान नहीं था। आदित्य ने फिल्म की कास्ट को भी चुन-चुन लिया, जिन्होंने पर्दे पर अपने किरदारों को जीवंत कर दिया है।

उर्वशी ढोलकिया के नाम 'आईटीए माइलस्टोन अवॉर्ड', अभिनेत्री ने फैंस को किया समर्पित

मुंबई/एजेन्सी

टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्री उर्वशी ढोलकिया ने अपने करियर में कई शोज में काम किया, लेकिन सबसे ज्यादा लोकप्रियता उन्होंने टीवी सीरियल 'कसौटी जिंदगी की' के आइकॉनिक किरदार कोमोलिका से हासिल की थी। हाल ही में आईटीए ने अभिनेत्री को 'माइलस्टोन अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया। अभिनेत्री ने सीरियल में कोमोलिका का निगेटिव किरदार निभाया था, जिसे आज भी दर्शक खूब पसंद करते हैं। शो के टेलीकास्ट के समय अभिनेत्री की हेयर स्टाइल और कॉस्ट्यूम काफी मशहूर हुआ करते थे। आईटीए की तरफ से मिले सम्मान से अभिनेत्री काफी खुश हैं। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा, कोमोलिका सिर्फ एक किरदार नहीं, बल्कि तूफान थी। वह बोल्ड, अप्रत्याशित थी और आज भी अविस्मरणीय है। इस किरदार ने

मुझे अभिनय के नए आयाम दिखाए, जिनका सपना हर कलाकार देखता है। अभिनेत्री ने फैंस का शुक्रिया किया। उन्होंने लिखा, मेरे चाहने वालों, आपने कोमोलिका की हर अदा, हर नजर और डायलॉग को दिल से अपनाया है। आपने उसे एक विरासत बना दिया। कैमरा बंद होने के बाद भी आपका प्यार मेरे साथ रहा। आप सभी का साथ होना मेरे लिए किसी इनाम से बड़ा है। मैं हमेशा कहती हूं कि आपकी वजह से हम हैं। अभिनेत्री ने अपना पुरस्कार अपने उन फैंस को समर्पित किया, जो उन्हें 'ओवर द टॉप' कहकर पुकारते हैं। उन्होंने लिखा, यह सम्मान मैं उन सभी को समर्पित करती हूं, जिन्होंने मुझे बहुत ज्यादा समर्थन दिया। कोमोलिका ने सिखाया कि कभी-कभी ज्यादा होना भी एक बाजी बदलने जैसा होता है।

अभिनेत्री ने लिखा, मैं ये कहना चाहती हूं कि मैं सिर्फ एक यादगार किरदार से कहीं ज्यादा हूं। प्लेटफॉर्म के हर क्रिएटर, प्रोड्यूसर और स्टोरीटेलर को ये संदेश देना चाहती हूं कि अगर मैं निगेटिव रोल को इतना आइकॉनिक बना सकती हूं, तो सोचिए ड्रामा, कॉमेडी, इमोशन, एक्शन में क्या नहीं कर सकती हूं?, मैं हर तरह के रोल करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। अभिनेत्री ने यह भी लिखा, मेरे किरदार कोमोलिका को इतना प्यार देने के लिए थैंक्स, लेकिन जुड़े रहिए। उर्वशी ढोलकिया का सबसे अच्छा आना बाकी है। मैं बहुत सम्मानित और आभारी महसूस कर रही हूं।

जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक युवा शाखा की कार्यकारिणी समिति बैठक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ जैन के तत्वावधान में कर्नाटक युवा शाखा की कार्यकारिणी समिति की बैठक शनिवार को सम्पन्न हुई। युवा अध्यक्ष आशीष भंसाली ने सभी 98 सदस्यों व अन्य पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस मौके पर प्रांतीय महिला शाखा अध्यक्ष संतोष आच्छा, महिला चेयरमैन रसिला मरलेचा, महामंत्री सपना सिंघवी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में महामंत्री किशोर बाफना ने गत एक वर्ष में हुए कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की, वहीं कोषाध्यक्ष रूपेश सिसोदिया ने आय-व्यय का लेखा-जोखा पेश किया। इस अवसर पर संगठन के लिए उत्कृष्ट कार्य एवं सेवाएं प्रदान करने वाले कुछ सदस्यों को प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया। अंत में सहकोषाध्यक्ष सुनील बम्ब ने सभी को धन्यवाद दिया। युवा मंत्री दीपक धोका व महामंत्री किशोर बाफना ने दो सत्रों का संचालन किया। इस मौके पर अनेक युवा सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

अनिल सकलेचा

कैलाश संखलेचा

अमित मेहता

राजस्थान संघ की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट की साधारण सभा का आयोजन हुआ जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा ने सभी का सम्मान किया। मंत्री कमल पुनमिया ने गत वर्ष के किए कार्य की विस्तार से जानकारी दी तथा सभी के सहयोग के लिए आभार प्रकट किया। कोषाध्यक्ष अमित मेहता ने लेखा जोखा पेश किया। मोक्षरथ योजना के चेयरमैन रमेश भंडारी ने निशुल्क मोक्षरथ एवं वाहिनी संचालन की जानकारी दी। बैठक का संचालन सहमंत्री महावीर मेहता ने किया।

बैठक में आगामी 1 जनवरी को हल्दी गोठ के आयोजन पर चर्चा कर निर्णय लिया गया तथा भोजन निर्माण की जबावदारी कृष्णा केटरर्स के गुमान को दी गई। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी वर्ष 2026-28 के लिए चेयरमैन पद पर अनिल सकलेचा, अध्यक्ष पद पर पुनः कैलाश संखलेचा, महामंत्री के पद पर अमित मेहता का मनोनयन किया गया। नूतन पदाधिकारियों द्वारा हल्दी गोठ में नई कार्यकारिणी के सदस्यों की घोषणा की जाएगी। उपाध्यक्ष मनोहर लुंकड़ ने धन्यवाद दिया।

स्वयं की प्राप्ति के लिए किया जाता है तप : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ऑसबन रोड स्थित चंद्रप्रभ स्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्री जी ने मंदिर प्रांगण में 18 अभिषेक पूजा के अवसर पर प्रत्येक पदार्थ के महत्त्व के बारे में बताते हुए कहा कि अभिषेक स्व की चेतना का आध्यात्मिक प्रकृति के साथ मिलन को दर्शाता है। अभिषेक उस तप का प्रतीक है जो व्यक्ति को स्वयं की प्राप्ति के लिए करना होता है। अभिषेक से भक्त को यह लाभ होता है कि यह प्रक्रिया भक्त को सभी सीमाओं, नकारात्मकताओं, वृत्तियों, भ्रमों और परिभाषाओं से मुक्त कर देती है। प्रत्येक अभिषेक उपासक को स्वयं के करीब ले जाता है और परमात्मा के साथ उसके मिलन का अहसास कराता है। आत्मा का परमात्मा से अलगाव ही सभी दुखों का कारण है। अभिषेक की प्रत्येक वस्तु का एक गहरा अर्थ होता है। ङ्कसाध्वीश्री ने बताया कि दूध लंबी आयु का लाभ प्रदान करने वाला एवं पोषण का प्रतीक है। यह हमारे मन को सकारात्मक विचारों तथा शास्त्रों के ज्ञान से पोषित करके उसे मजबूत बनाने में मदद करता है। जटामासी चूर्ण जीवन से दुःख और समस्याओं को दूर करने में मदद करता है, शीतलता का प्रतीक है। केशर सच्ची आत्मा का अहसास करने के लिए भौतिक दुनिया से वैराग्य लाता है। चंदन स्वयं को शुद्ध करने और दिव्य सुगंध से भरने का प्रतीक है। दही जीवन के खूबसूरत अनुभवों को सहेजने और संजोकर रखने की कला का प्रतीक है। शक्कर मिश्री शत्रुता दूर करने के लिए जानी जाती है, यह हर परिस्थिति के साथ अनुकूलन करने की क्षमता का प्रतीक है। घी मोक्ष प्राप्त करने में मदद करता है, हमें याद दिलाता है कि किसी का सबसे बड़ा लक्ष्य स्वयं/आत्मा का अहसास करना है। विशिष्ट औषधियां उपचार में मदद करती हैं और उस सुरक्षा या ढाल का प्रतीक है जिसे नकारात्मक विचारों से अप्रभावित रहने के लिए बनाए रखना आवश्यक है। इक्षुरस किसी को ज्ञान प्रदान करने के लिए जाना जाता है, यह उस लचीलेपन का प्रतीक है जिसे नए अनुभवों और ज्ञान के लिए खुला रहने की आवश्यकता है। निकेश भंडारी ने बताया कि साध्वीवृंद के सान्निध्य में अट्ठारह अभिषेक का कार्यक्रम संपन्न हुआ। अभिषेक का सामूहिक लाभ महेंद्रकुमार सोलंकी, मोहनलाल बोहरा, जयचंद चुत्तर, गौतमचंद लुणिया,कांताबाई बोहरा,उर्मिला बोहरा आदि ने लिया।

केंगेरी टीम ने जीती आईजी कप सीजन-4 क्रिकेट प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सीरवी समाज केंगेरी क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित आईजी कप सीजन-4 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें समाज की पांच टीमों ने भाग लिया। फाइनल मुकाबला केंगेरी टीम एवं आरआर नगर टीम के बीच खेला गया, जिसमें केंगेरी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त कर आईजी कप सीजन-4 का खिताब अपने नाम किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुरेश सैंणचा ने विशेष रूप से उपस्थित रहकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खेलमंत्री ढगलाराम लचेटा ने विजेता टीम सहित सभी खिलाडियों को बधाई दी। विजेता टीम व खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की गई। इस अवसर पर भोमाराम भायल, मंगलाराम हाम्बड़, सुरेश हाम्बड़, कन्हैयालाल लचेटा, हीरालाल सोलंकी, रमेश चोयल, मलाराम राठौड़ सहित सीरवी समाज के अनेक खेल प्रेमी उपस्थित थे।

रोटरी स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पर्यावरण जागृति वेदिके के अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपस्थित क्षेत्रीय शिक्षण अधिकारी एससी शिव मूर्ति तथा भारतीय वायुसेना के कैप्टन एएस शिवराजू सहित मुख्य अतिथि का सम्मान किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि ने विधार्थियों को ज्ञान, कौशल और चरित्र विकास के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को किसी भी विषय पर गंभीर सोच विचार कर समाधान की तलाश करनी चाहिए। ऐसा करने से जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। कार्यक्रम में स्कूल के विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर रोटरी स्कूल के सचिव वेंकटेश प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अणुव्रत भवन भूमि अवलोकन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ संघ के मुनि डॉ पुलकित कुमार जी एवं मुनि आदित्य कुमार जी ने रविवार को अणुव्रत समिति बेंगलूरु द्वारा प्रस्तावित अणुव्रत भवन के लिए क्रय की गई भूमि का अवलोकन किया एवं मंगलपाठ सुनाया। इस अवसर पर अणुव्रत समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संयोजक कन्हैयालाल चिप्पड़ ने उपस्थित सभी जनों को भवन निर्माण से जुड़ने के लिए आह्वान किया। इस अवसर पर मंत्री लाभेश कांसवा, सहमंत्री सुरेश चावत, सूरजमल पितलिया, कोषाध्यक्ष मनोहर मांडोत, प्रचार प्रसार कविता जैन, सलाहकार माणक संचेती, माणक मुथा, भगवान सुराणा, मुकेश नाहर, सुरेश चावत आदि उपस्थित थे।

सीडीएफ असीम मुनीर ने अफगान तालिबान को टीटीपी, पाकिस्तान में से किसी एक को चुनने को कहा

इस्लामाबाद/भाषा

रक्षा बलों के प्रमुख (सीडीएफ) फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने अफगानिस्तान के तालिबान शासन को टीटीपी और पाकिस्तान के बीच किसी एक को चुनने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि (अफगानिस्तान) सीमा से घुसपैठ करने वाले ज्यादातर आतंकवादी समूहों में अफगान नागरिक शामिल हैं। हाल में यहां आयोजित राष्ट्रीय उलेमा सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मुनीर ने अफगान तालिबान सरकार से पाकिस्तान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बीच किसी एक को चुनने को कहा। उन्होंने यह भी कहा कि सीमा पार से हो रहे आतंकवाद में अफगान नागरिकों की बड़ी भूमिका है। दस दिसंबर को दिए गए भाषण के आधिकारिक विवरण संक्षिप्त थे, लेकिन उनके भाषण के कुछ अंश रविवार को स्थानीय टेलीविजन पर प्रसारित किए गए। मुनीर ने कहा, पाकिस्तान में आने वाले टीटीपी संगठनों में 70 प्रतिशत अफगानी हैं। क्या अफगानिस्तान हमारे पाकिस्तानी बच्चों का खून नहीं बहा रहा है?'' उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि अफगान तालिबान को पाकिस्तान और टीटीपी में से किसी एक को चुनना होगा। सीडीएफ ने कहा कि इस्लामी देश में जिहाद का आदेश सरकार के अलावा कोई और नहीं दे सकता। उन्होंने कहा, ''अधिकार प्राप्त व्यक्तियों के आदेश, अनुमति और इच्छा के बिना कोई भी जिहाद के लिए फतवा जारी नहीं कर सकता।'' उनके भाषण में इस्लामी संदर्भों की भरमार थी, और उन्होंने अपने संबोधन के दौरान कुरान की कई आयतों का भी हवाला दिया। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के साथ मई में हुए संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को ''ईश्वरीय सहायता'' मिली। पहलगाम आतंकी हमले में 26 नागरिकों की मौत के बाद भारत ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया था।

भोपाल मेट्रो को लेकर पहले दिन दिखा लोगों में खासा उत्साह

भोपाल /भाषा। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में मेट्रो सेवा के पहले व्यायसायिक दिन लोगों में यात्रा को लेकर खासा उत्साह देखा गया। उन्होंने इस दौरान उम्मीद जताई कि इससे न सिर्फ समय और पैसे की बचत होगी बल्कि यातायात जाम से भी राहत मिलेगी।

मेट्रो के एक अधिकारी ने बताया कि शहर में सुबह नौ बजे एम्स स्टेशन से मेट्रो का पहला वाणिज्यिक फेरा शुरू हुआ और शाम छह बजे तक 5,731 लोगों ने सफर का आनंद लिया। उन्होंने कहा कि लोग सुबह से ही अपने परिवार के सदस्यों के साथ टिकट के लिए कतारों में खड़े हो गए।

इससे पहले, शनिवार को केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 7.5 किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन पर सुभाष नगर स्टेशन से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर मेट्रो सेवा का उद्घाटन किया था। इसके साथ ही भोपाल इंदौर के बाद मध्यप्रदेश का दूसरा और देश का मेट्रो सुविधा वाला 26वां शहर बन गया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मानवसेवा

अमर्ट ग्लोबल संस्था के बेंगलूरु शाखा के सदस्यों ने शीतकालीन सेवा के दूसरे चरण के अंतर्गत शनिवार व रविवार को गणपतिहल्ली गाँव, मालुर स्थित कुडियानुर और उसके आस पास के गाँवों में कम्बल वितरित किए। इसके अलावा बच्चों को कलर किताबें, पेंसिल के साथ चॉकलेट तथा खेतों में काम करने वाली महिलाओं को ऊनी स्कार्फ़ दिए गए।

जीतो साउथ चैप्टर और पगारिया जेबीएन ट्रेंडसेटर्स ने किया औद्योगिक दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो बेंगलूरु साउथ और पगारिया जेबीएन ट्रेंडसेटर्स ग्रुप का सदस्यों ने शनिवार को जीतो बिजनेस नेटवर्क के तहत दुमकूरु स्थित प्रमुख चॉकलेट निर्माता कंपनी 'कप्रीका' का औद्योगिक भ्रमण किया। सदस्यों ने इस दौरे में कप्रीका कम्पनी की नवीनतम निर्माण प्रक्रियाओं, व्यावसायिक रणनीतियों और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता के बारे में जानकारी ली। कम्पनी के संस्थापक राज व कुश बैद ने नवाचार, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के महत्व पर प्रकाश डाला। साउथ चैप्टर के चेयरमैन रणजीत सोलंकी व मुख्य सचिव नितिन लुनिया ने इस आयोजन की सराहना की।

जेबीएन संयोजक विजय मेहता व सहसंयोजक ललित बागरेचा ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से न केवल विशेषज्ञों से सीखने का अवसर मिलता है, बल्कि समान विचारधारा वाले लोगों के साथ नेटवर्किंग का भी अवसर मिलता है। इस दौरे में 50 से अधिक सदस्य शामिल हुए। इस मौके पर केकेजी ज़ोन संयोजक तुषार बाफना और जेबीएन नेशनल सह संयोजक स्मॉल स्केल बिजनेस (एसएसबी) नरेश खिवेंसरा शामिल थे।

अंतरिक्ष यात्री बनना अब भारत में मान्यताप्राप्त पेशा, युवा चांद पर जाने का लक्ष्य रखें: शुक्ला

पुणे/भाषा। 'गगनयात्री' ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने रविवार को कहा कि भारत में 'अंतरिक्ष यात्री' अब एक मान्यताप्राप्त पेशा है, जो युवा प्रतिभाओं के लिए अनगिनत अवसर प्रदान करता है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के पुणे पुस्तक महोत्सव के अवसर पर आयोजित पुणे साहित्य महोत्सव में शुक्ला ने विद्यार्थियों से चंद्रमा पर उतरने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया और कहा कि ''जब आप आएंगे, तो मैं आपसे प्रतिस्पर्धा करने के लिए वहां मौजूद रहूंगा।'' अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में देश द्वारा की जा रही व्यापक प्रगति की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, ''बहुत से लोग शायद यह सोच रहे होंगे कि भारत अंतरिक्ष अन्वेषण में इतना निवेश क्यों कर रहा है। भारत अपने स्वयं के मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन, गगनयान पर काम कर रहा है, जिसका हम हिस्सा हैं। इस मिशन का उद्देश्य एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरिक्ष में भेजना और उसे सुरक्षित वापस लाना है।''

शुक्ला ने कहा, ''इसके अलावा, हम अपना खुद का भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की भी योजना बना रहे हैं। भारत का लक्ष्य 2040 तक चंद्रमा पर उतरना है। हो सकता है कि आज यहां बैठा कोई व्यक्ति, चाहे वह लड़की हो या लड़का, एक दिन चंद्रमा की सतह पर कदम रखे। जब आप आएंगे, तो मैं आपके साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए वहां मौजूद रहूंगा।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वार्षिकोत्सव

बेंगलूरु के मैसूर रोड स्थित बैतरायनपुरा के प्रज्ञा विद्या निकेतन शिक्षण संस्थान का वार्षिकोत्सव कुवेम्पु रंग मंदिर में हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। विद्यार्थियों की मनभावन प्रस्तुति ने उपस्थित जनों का मन मोह लिया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा कि बच्चों का मन सरल, सहज, कोमल, निर्मल होता है। बच्चे साक्षात भगवान का रूप होते हैं, उन्हें किताबी ज्ञान के साथ भारत की संस्कृति एवं संस्कारों की भी शिक्षा दी जाए तो यह देश की बहुत बड़ी सेवा होगी। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

नगर कीर्तन

कोलकाता में रविवार को सिख भक्त दसवें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह की 359वीं जयंती (गुरुपर्व) से पहले कोलकाता में 'नगर कीर्तन' जुलूस के दौरान सेल्फी के लिए पोज़ देते हुए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**